CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 134 ता. 20 नवम्बर 2021, शनिवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

गिरफ्तार पत्रकारों को मंत्री ने राजनीतिक दल का एजेंट बताया

नई दिल्ली। त्रिपुरा में गिरफ्तार की गईं दो पत्रकारों के बारे में राज्य के सूचना व संस्कृति मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा है कि वे एक पार्टी की एजेंट थीं और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने आई थीं. दोनों पत्रकारों को जमानत मिल चुकी है.त्रिपुरा में कथित सांप्रदायिक हिंसा के मुद्दे पर सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ पुलिस अभियान थमने का नाम नहीं ले रहा है. पुलिस ऐसे तमाम आलोचकों के सोशल मीडिया खातों पर करीबी निगाह रख रही है. दो महिला पत्रकारों की गिरफ्तारी और रिहाई और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हालांकि सरकार को झटका लगा है. लेकिन बावजूद इसके ऐसे खातों की निगरानी जारी है. दो सप्ताह पहले पुलिस ने ट्विटर से ऐसे 68 ट्विटर खातों को ब्लॉक करने और उनके संचालकों का ब्योरा बताने को कहा था। उसके बाद 24 प्रोफाइल बंद हैं और 57 ट्वीट्स भी डिलीट कर दिए गए हैं. क्या है मामला बीते महीने दुर्गा पूजा के दौरान बांग्लादेश में कई पूजा पंडालों पर हमले, तोड़-फोड़ और आगजनी की गई थी. इन घटनाओं में कुछ लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के विरोध में त्रिपुरा में विश्व हिंदू परिषद की ओर से एक रैली का आयोजन किया गया था. आरोप है कि उस दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों और मस्जिदों पर हमले और आगजनी की गई। हालांकि पुलिस और सरकार ने इन घटनाओं को सिरे से खारिज कर दिया. लेकिन सोशल मीडिया पर इन घटनाओं की कथित तस्वीरें वायरल हो गईं. उसके बाद पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ झूठी तस्वीरें और वीडियो अपलोड करने के मामले गैर कानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान

बोले पीएम मोदी: शायद हमारी तपस्या में ही कोई कमी रही होगी...!

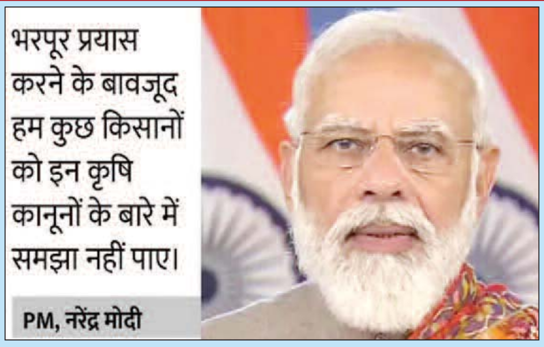

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज में देशवासियों से क्षमा मांगते हुए, सच्चे मन और पवित्र हृदय से यह कहना चाहता हूं कि शायद हमारी तपस्या में ही कोई कमी रही होगी जिसके कारण दिये के प्रकाश जैसा सत्य कुछ किसान भाइयों को हम समझा नहीं पाए। ये गुरुनानक देव जी का प्रकाश पर्व है, ये दिन किसी को दोष देने का नहीं है। तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाएगा। कृषि में सुधार के लिए तीन कानून लाए गए थे, ताकि छोटे किसानों को और ताकत मिले। सालों से ये मांग देश के किसान और विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री मांग कर रहे थे। जब ये कानून लाए गए, तो संसद में चर्चा हुई। देश के किसानों, संगठनों ने इसका स्वागत किया, समर्थन किया। लेकिन हम कुछ किसानों को कृषि कानूनों के लाभ समझाने में असफल रहे। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार पूरा सेवा भाव से जनता की सेवा करने में जुटी हुई है। इसी के परिणामस्वरूप देश सपनों को पूरा होते हुए देख रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने किसानों की मुश्किलों और तकलीफों को बेहद करीब से महसूस किया है। किसानों की मौजूदा सभी परेशानियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर हजारों किसान पिछले एक साल से प्रदर्शन कर रहे हैं। ये सभी किसान कृषि कानूनों को रद करने की मांग पर अड़े हुए थे, जिन्हें आखिरकार केंद्र की मोदी सरकार ने मान लिया है। पीएम मोदी ने कहा, 'कृषि में सुधार के लिए तीनों कानूनों का देश के किसानों, संगठनों ने इसका स्वागत किया, समर्थन किया। मैं सभी का बहुत-बहुत आभारी हूं। साथियों हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में, गांव, गरीब के हित में पूर्ण समर्थन भाव से, नेक नियत से ये कानून लेकर आई थी। लेकिन इतनी पवित्र बात पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। पीएम मोदी ने कहा, हमने कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया। साथ ही पीएम मोदी ने किसानों से अपील की, आप अपने अपने घर लौटे, खेत में लौटें, परिवार के बीच लौटें, एक नई शुरूआत करते हैं। आज मैं आपको, पूरे देश को, ये बताने आया हूं कि हमने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का निर्णय लिया है। इस महीने के अंत में शुरू होने जा रहे संसद सत्र में, हम इन तीनों कृषि कानूनों को रद करने की संवैधानिक प्रक्रिया को पूरा कर दें।' उन्होंने बताया, ' किसानों के लिए एमएसपी को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए, ऐसे सभी विषयों पर, भविष्य को ध्यान में रखते हुए, निर्णय लेने के लिए, एक कमेटी का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि होंगे, किसान होंगे, कृषि वैज्ञानिक होंगे, कृषि अर्थशास्त्री होंगे। इसके साथ ही आज ही सरकार ने कृषि क्षेत्र से जुड़ा एक और अहम फैसला लिया है।

जीरो बजट खेती यानि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए, देश की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर क्रॉप पैटर्न को वैज्ञानिक तरीके से बदलने के लिए। पीएम मोदी ने संबोधन की शुरूआत गुरु नानक देव जी के पवित्र प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए की। उन्होंने कहा कि वह विश्वभर में सभी लोगों को और सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई देते हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'ये भी बहुत सुखद है कि डेढ़ साल के बाद करतारपुर साबिह कारिडोर अब फिर से खुल गया है।

अभी खत्म नहीं होगा किसान आंदोलन, रखी यह शर्त : टिकैत

नई दिल्ली। बीते एक साल से अधिक समय तक विवादों में रहे तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला हो गया है। पीएम मोदी ने देश के नाम संबोधन में तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया और प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन खत्म करने की अपील की, मगर किसान नेता राकेश टिकैत अब भी आंदोलन खत्म करने के मूड में नहीं हैं। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान आंदोलन खत्म नहीं होगा। इससे लग रहा है कि दिल्ली के बॉर्डर अब भी नहीं खुलेंगे। पीएम मोदी ने के ऐलान के तुरंत बाद राकेश टिकैत ने ट्वीट कर कहा, 'आंदोलन तत्काल वापस नहीं होगा, हम उस दिन का इंतजार करेंगे जब कृषि कानूनों को संसद में रद्द किया जाएगा। सरकार टरढ के साथ-साथ किसानों के दूसरे मुद्दों पर भी बातचीत करें।' वहीं, टीवी चैनल आजतक से बातचीत में राकेश टिकैत ने कहा कि अभी तो संकेत दिया है। फैसला तो तब होगा, जब संसद से वापस हो जाएगा। इसके अलावा एमएसपी और बिजली कानून के मुद्दों पर भी सरकार को बात करनी चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी की बात पर विश्वास न होने के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि मुझे अब भी यकीन नहीं है। 29 तारीख को संसद में कानून वापसी का प्रस्ताव रखे जाने तक हम कहीं वापस जाने वाले नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इस घोषणा के बाद भारतीय किसान यूनियन उगराहां धड़े के नेता जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा, "गुरुपरब पर कृषि कानून निरस्त करने का निर्णय प्रधानमंत्री का अच्छा कदम है।

कहीं डांस तो कहीं बंटी मिठाई !

गुरु परब पर तीन नए विवादित कृषि कानूनों को रद्द किए जाने के ऐलान से किसानों में भारी खुशी और जश्न का माहौल है। बीते एक साल से दिल्ली के बॉर्डरों पर डटे किसान एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस कदम का स्वागत कर रहे हैं। इस दौरान सिंघु बॉर्डर पर सबद कीर्तन का भी आयोजन किया गया। हालांकि, अभी किसान आंदोलन स्थलों से लौटने को तैयार नहीं हैं। किसान एक साल से तीन कानूनों को वापस लेने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर एक नया कानून बनाने की मांग कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा के बाद किसानों ने शुक्रवार को गाजीपुर सीमा पर 'किसान एकता जिंदाबाद' के नारों के साथ जश्न मनाया। प्रधानमंत्री ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर राष्ट्र के नाम संबोधन में तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की घोषणा की और कहा कि इसके लिए संसद के आगामी सत्र में विधेयक लाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़े मुद्दों पर एक समिति बनाने की भी घोषणा की। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) तीन कृषि कानूनों को रद्द करने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि वह उचित संसदीय प्रक्रियाओं के माध्यम से घोषणा के प्रभावी होने की प्रतीक्षा करेगा। किसान मोर्चा ने एक बयान जारी कर आज कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा इस निर्णय का स्वागत करता है और उचित संसदीय प्रक्रियाओं के माध्यम से घोषणा के प्रभावी होने की प्रतीक्षा करेगा।

महोबा में पीएम मोदी का विपक्ष पर हमला

बोले: वो यूपी को लूटकर नहीं थकते थे, हम काम करते-करते नहीं थकते

महोबा। कृषि कानूनों की वापसी के ऐलान के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज यूपी के तीन दिवसीय दौरे पर आए हैं। उन्होंने महोबा, हमीरपुर, बांदा व ललितपुर में 3,240 करोड़ रुपये की अर्जुन सहायक परियोजना, भावनी बांध परियोजना, रतौली बांध परियोजना, मसगांव-चिल्ली स्प्रिंकलर परियोजना का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने तीन तलाक के बहाने मुस्लिम महिलाओं को संदेश देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि महोबा में हमने जो वादा किया था वो पुरा किया। पीएम महोबा के बाद झांसी जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि अब जब इन्हीं माफियाओं पर यूपी में बुलडोजर चल रहा है तो कुछ लोग हाय-तौबा मचा रहे हैं। ये लोग कितनी भी तौबा मचा लें, यूपी के विकास के काम, बुंदेलखंड के विकास के काम रूकने वाले नहीं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने वालों ने बारी बारी से इस क्षेत्र को उजाड़ने में कोई कमी नहीं छोड़ी। यहां के जंगलों को, यहां के संसाधनों को कैसे माफिया के हवाले किया गया ये किसी से छिपा नहीं है। पीएम मोदी बोले कि गुलामी के उस दौर में भारत में नई चेतना जगाने वाले गुरुनानक देव जी का आज प्रकाश पर्व भी है। मैं देश और दुनिया के लोगों को गुरु पूरब की भी शुभकामनाएं देता हूं। आज ही भारत की वीर बेटी, बुंदेलखंड की शान, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती भी है पीएम मोदी ने कहा कि महोबा की ऐतिहासिक धरती पर आकर एक अलग ही अनुभूति होती है। इस समय हम देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में जनजातिय साथियों के योगदान को समर्पित जनजातीय गौरव सप्ताह भी मना रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 7 सालों में हम कैसे सरकार को दिल्ली के बंद कमरों से निकालकर देश के कोने-कोने में ले आए हैं, महोबा उसका साक्षात गवाह है। ये धरती ऐसी योजनाओं, ऐसे फैसलों की साक्षी रही है, जिन्होंने देश की गरीब माताओं-बहनों-बेटियों के जीवन में बड़े और सार्थक बदलाव किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनपद महोबा, हमीरपुर, बांदा व ललितपुर में 3,240 करोड़ रुपये की अर्जुन सहायक परियोजना, भावनी बांध परियोजना, रतौली बांध परियोजना, मसगांव-चिल्ली स्प्रिंकलर परियोजना का लोकार्पण किया। सीएम योगी ने कहा कि बुंदेलखंड को सूखे की समस्या से निजात दिलाना सपना बन गया था। पीएम मोदी के नेतृत्व में पहली बार समान विकास की अवधारणा के तहत समाज के हर तबके तक विकास योजनाओं को पहुंचाया गया। पीएम मोदी जनपद महोबा, हमीरपुर, बांदा और ललितपुर में 3,240 करोड़ रुपये की अर्जुन सहायक परियोजना, भावनी बांध परियोजना, रतौली बांध परियोजना, मसगांव-चिल्ली स्प्रिंकलर परियोजना का लोकार्पण करेंगे। महोबा पहुंचते ही पीएम ने वहां लॉन्च की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के मॉडल को देखा।

त्रिपुरा: भाजपा व टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प, 19 लोग घायल

अगरतला। पश्चिम बंगाल के बाद त्रिपुरा में हुई भाजपा व टीएमसी समर्थकों में हिंसक झड़प के चलते 19 कार्यकर्ता घायल हो गए। इसके बाद पूरे इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में निकाय चुनाव से कुछ दिन पहले हुई इस हिंसा में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। सहायक पुलिस महानिरीक्षक सुब्रत चक्रवर्ती ने बताया कि खोवई जिले के कलीतिला इलाके में बुधवार की रात करीब साढ़े नौ बजे भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इससे दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए और दोनों के बीच हिंसक झड़प शुरू हो गई। इसमें 19 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया, इसमें दो पुलिसकर्मियों को भी चोट आई है। इस मामले में अभी तक पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, इनमें से चार को अदालत ने 30 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पीएम मोदी के पहुंचने से पहले महोबा में सपा का प्रदर्शन, सांकेतिक लोकार्पण कर जताया विरोध

महोबा। पीएम मोदी आज तीन दिवसीय दौरे पर यूपी आ रहे हैं। सबसे पहले उनका महोबा में कार्यक्रम है लेकिन यहां उनके पहुंचने से पहले समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। कार्यकताओं ने अर्जुन सहायक परियोजना का सांकेतिक लोकार्पण कर अपना विरोध जताया। सपाइयों ने फीता काटा और जमकर नारेबाजी की। सपाइयों का कहना है कि अर्जुन सहायक परियोजना सपा सरकार की परियोजना है जिसका श्रेय भारतीय जनता पार्टी लेना चाहती है। 2009 में शुरू हुई अुर्जन सहायक परियोजना का शुक्रवार को पीएम लोकार्पण करने पहुंच रहे हैं। पीएम के कार्यक्रम के पहले सपा नेता पुष्पेन्द्र यादव ने जिलाध्यक्ष प्रान सिंह यादव सहित भागीरथ यादव ने दर्जन भर सपाइयों के साथ चरखारी कोतवाली क्षेत्र के अकठौहां गांव के पास पहुंचकर परियोजना का सांकेतिक लोकार्पण करने के लिए फीता काटकर विरोध प्रदर्शन किया है। सपाइयों का कहना है कि भाजपा सरकार सपा सरकार के कामों को खुद का बता रही है। सपाईयों ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाकर सांकेतिक लोकार्पण किया है। अर्जुन सहायक परियोजना के लोकार्पण को लेकर सपाइयों के विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस के द्वारा रात में कई सपाइयों को हिरासत में लिया गया।

कृषि कानून वापसी मोदी की मजबूरी या मास्टरस्ट्रोक; चुनाव से पहले बीजेपी ने बिगाड़ दिया विपक्ष का 'खेला'?

नई दिल्ली। लंबे समय से जिस कानून को लेकर सड़क से लेकर संसद तक घमासान मचा हुआ था, आखिरकार उन तीन कृषि कानूनों के अंत का ऐलान हो ही गया। दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने का ऐलान किया। देश के नाम संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया है। कुछ लोग इसे जहां मोदी की मजबूरी कह सकते हैं तो कुछ सियासत में मास्टरस्ट्रोक भी मान सकते हैं। यह सच है कि अगले साल पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव हैं और किसान आंदोलन का कहीं उलटा असर न हो जाए, भाजपा को इसका डर जरूर सता रहा होगा। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पीएम मोदी के इस ऐलान के कई मायने हैं। किसान आंदोलन से प्रभावित चुनावी राज्यों में मुख्यतौर पर उत्तर प्रदेश और पंजाब हैं। पंजाब को छोड़कर उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। कृषि कानूनों को लेकर जिस तरह से प्रदर्शनकारी किसान डटे हुए थे, ऐसे में उत्तर प्रदेश में भाजपा को सबसे अधिक नुकसान होने की संभावना थी। मगर कानूनों की वापसी के बाद भाजपा की राह जरूर आसान होगी। कृषि कानूनों को आधार बना जो सियासी पार्टियां भाजपा पर हमला करने को आतुर थीं, अब उन्हें अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत होगी। कांग्रेस से लेकर टीएमसी और सपा-बसपा को भी अब नया हथियार तलाशना होगा क्योंकि आज के ऐलान से मोदी ने किसानों की नाराजगी वाला सियासी हथियार छीन लिया। उत्तर प्रदेश में कृषि कानूनों की वापसी के बाद से सियासी समीकरण से लेकर हवा के रुख में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। कृषि कानूनों की वजह से किसान आंदोलन ने भाजपा की सिरदर्दी बढ़ा रखी थी। पश्चिम उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा खतरा महसूस हो रहा था, क्योंकि यहां किसान आंदोलन का सबसे अधिक असर दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ किसानों के विरोध को देखते हुए अखिलेश यादव ने अपना बड़ा दांव चला था और जयंत चौधरी की पार्टी संग चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। उम्मीद थी कि भाजपा की नाराजगी का असर सपा गठबंधन को होगा और जाट से लेकर कई जातियों का वोट सपा में ट्रांसफर होगा, मगर ऐन वक्त पर पीएम मोदी ने कृषि कानूनों को वापस लेकर पासा पलट दिया है। ऐसे में सपा प्रमुख अखिलेश यादव को फिर से अपनी रणनीति बदलने पर पीएम मोदी ने मजबूर कर दिया है।

कोरोना महामारी के बाद सरकार की चौकस आर्थिक नीतियों की वजह से भारत अच्छी स्थिति में: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था में पैदा हुए संकट से निपटने में भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार की चौकस आर्थिक नीतियों के कारण कई अन्य देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में रहा।

पार्टी ने साथ ही केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती किए जाने के बाद विपक्ष शासित राज्यों में मूल्य वर्धित कर (वैट) में कटौती नहीं किए जाने की आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में वैट में कटौती नहीं किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र व अधिकतर भाजपा व राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में पेट्रोल व डीजल की कीमतों में की गई कटौती की बदौलत ग्राहकों के हाथ में 88,000 करोड़ रुपये जाएंगे और केंद्र सरकार मांग में वृद्धि के लिए काम कर रही है।

सही समय पर उचित निर्णय लेने के लिए मोदी सरकार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि जब ईंधन की वैश्विक कीमतें गिर रही थीं तब उसने संसाधन बढ़ाए और महामारी से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों को वित्तीय सहयोग प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि यही वजह है कि पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती वैश्विक कीमतों के बावजूद भारत सरकार ने पेट्रोल व डीजल की कीमतों में कटौती की है। उन्होंने कहा कि कई अन्य देशों की तरह भारत ने अनियंत्रित राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण नहीं किया, जिसकी वजह से वह अमेरिका और यूरोप सहित विश्व के अन्य देशों में 'स्फीति-विषयक' दबावों के मुकाबले बेहतर स्थिति में है।

अग्रवाल ने कहा, ''अधिकतर देशों ने बड़े स्तर पर मुद्रा छापने और 'हेलीकॉप्टर मनी' जैसी जल्द परिणाम देने वाली नीतियों को अपनाया... लेकिन हमने अनियंत्रित राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण नहीं किया। हमारी सरकार ने भारी दबाव के बावजूद चौकस भरी आर्थिक नीतियों को अपनाया।'' ज्ञात हो कि आर्थिक संकट के बीच जब आम लोगों का खर्च कम हो जाता है तो सरकार मुफ्त पैसे बांटकर लोगों के खर्च और उपभोग को बढ़ावा देती है। देश के आम लोगों के खर्च में बढ़ोतरी होने से मांग बढ़ती है और अर्थव्यवस्था में सुधार आता है। यही पैसा 'हेलीकॉप्टर मनी' कहलाता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने समय-समय पर वित्तीय प्रोत्साहन का रुख किया और क्षेत्रवार आर्थिक पैकेज दिए तथा समाज के सबसे पिछड़े तबके को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से मदद की। भाजपा प्रवक्ता ने 2004 से 2014 तक के संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल को अर्थव्यवस्था के लिहाज से भारत के लिए सबसे बेकार करार दिया और कहा कि 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान उसके खराब प्रबंधन के चलते देश में 2013 में आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने आरोप लगाया, ''उस समय तथाकथित अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अधीन भारत की स्थूल आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई थी और भारत में विदेशी मुद्रा भंडार का संकट खड़ा हो गया था और हम 'डेब्ट डिफॉल्ट' की कगार पर पहुंच गए थे।'' उन्होंने कहा इसके विपरीत महामारी से पैदा हुए उससे बड़े संकट को मोदी सरकार ने ''उत्कृष्टता'' के साथ प्रबंधन किया और आज स्थिति यह है कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इतना है कि वह 14 महीनों तक आयात का कोष उपलब्ध

करा सकता है। एयर इंडिया के निजीकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रहा है और सरकार आने वाले दिनों में सुधारों के लिए और भी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि भारत के व्यापारिक निर्यात में अक्टूबर में 62.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई जबकि कृषि उत्पादों की निर्यात वृद्धि अप्रैल से अगस्त के बीच पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 21.8 प्रतिशत रही।

किसानों पर सरकार ने बरसाई थी लाठियां, उन्हें आंदोलनजीवी और देशद्रोही कहा गया: प्रियंका

लखनऊ। (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए लखीमपुर खीरी की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरी तरह से हत्यारों का संरक्षण किया और आज भी मंच पर उनके साथ मंत्री खड़े हैं। वो आज माफी मांग रहे हैं। जब 600-700 किसान शहीद हो चुके हैं। वो क्यों माफी मांग रहे हैं ? क्या देश यह नहीं समझ रहा है कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं और उन्हें लगा होगा कि स्थिति ठीक नहीं है। वे सर्वेक्षणों में देख सकते हैं कि स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए वे चुनाव से पहले माफी मांगने आए हैं।

मोदी ने बोला था 'आंदोलनजीवी' : कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार के नेताओं ने किसानों को क्या नहीं कहा ? आंदोलनजीवी, गुंडे, आतंकवादी, देशद्रोही यह सब किसने कहा ? जब यह सब कहा जा रहा था तब प्रधानमंत्री चुप क्यों थे ? उन्होंने खुद 'आंदोलनजीवी' शब्द बोला। जब किसानों की हत्या हो रही थी, उन्हें मारा जा रहा था, उनपर लाठियां बरसाई जा रही थी, वह सब कौन कर रहा था। आपकी ही तो सरकार कर रही थी। आज आप आकर कह रहे हैं कि उन्हें रद्द करेंगे तब हम आपकी नीयत पर कैसे भरोसा करें।

मंत्री को बर्खास्त करें सरकार: इसी बीच उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि सरकार भी यह समझ गई है कि किसान से बड़ा

कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आंदोलन में जो किसान शहीद हुए हैं, मैं उनका दुख समझती हूं और हम सबको सबसे पहले उन्हें श्रद्धांजलि देना चाहिए। अगर सरकार सच में गंभीर है तो मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले करीब एक वर्ष से अधिक समय से विवादों में घिरे तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की घोषणा की और कहा कि इसके लिए संसद के आगामी सत्र में विधेयक लाया जाएगा। तीनों कृषि कानूनों के विरोध में किसान आंदोलन कर रहे थे।

कृषि कानूनों की वापसी के ऐलान पर बोलीं ममता बनर्जी, किसान भाजपा की क्रूरता से नहीं हुए विचलित

धौलपुर। (एजेंसी)। कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किसानों को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ अथक संघर्ष करने के लिए बधाई दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जिस ''क्रूरता'' से व्यवहार किया वे उससे विचलित नहीं हुए। बनर्जी की ये टिप्पणियां तब आयी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऐलान किया कि सरकार ने तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का फैसला किया है। इन कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर किसान पिछले साल से प्रदर्शन कर रहे हैं।

बनर्जी ने ट्वीट किया कि हर उस किसान को मेरी ओर से हार्दिक बधाई जिसने अथक संघर्ष किया और भाजपा ने जिस क्रूरता से आपके साथ व्यवहार किया, उससे आप विचलित नहीं हुए। यह आपकी जीत है! उन सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं है जिन्होंने इस लड़ाई में अपने प्रियजनों को खो दिया।

संघ कार्यकर्ता की हत्या पर भाजपा ने कहा, केरल सरकार का कोई छुपा हुआ एजेंडा है

पलक्कड़। (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक युवा कार्यकर्ता की हाल में हुई हत्या के मामले को जांच के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने की ''अनिच्छा'' को लेकर केरल सरकार की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि मामले के दोषियों को सुरक्षा प्रदान करने के पीछे उसका कोई ''छुपा हुआ एजेंडा'' है। भाजपा ने इन आरोपों को दोहराया कि दिन-दिहाड़े की गई इस हत्या के पीछे इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के कार्यकर्ताओं का हाथ है और आरोपियों को सत्तारूढ़ दल का समर्थन प्राप्त होने के कारण राज्य पुलिस निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच नहीं कर सकती।

गौरतलब है कि 27 वर्षीय संघ कार्यकर्ता संजीत की सोमवार को उनकी पत्नी के सामने उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वह अपनी पत्नी को उसके कार्यालय छोड़ने जा रहे थे। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन संजीत के घर गए और शोकसंतप्त परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा कि केरल में हाल में संजीत समेत दो लोगों की हत्या हुई और इन हत्याओं के तार आतंकवाद से जुड़े हैं तथा सच का पता वही एजेंसी लगा सकती है,जो इस प्रकार के मामले से निपटने में विशेषज्ञ हो।

यौन उत्पीड़न का सबसे अहम घटक मंशा है, त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक मामले में बंबई उच्च न्यायालय के ''त्वचा से त्वचा के संपर्क'' संबंधी विवादित फैसले को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यौन हमले का सबसे महत्वपूर्ण घटक यौन मंशा है, बच्चों की त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं। बंबई उच्च न्यायालय आदेश दिया था कि यदि आरोपी और पीड़िता के बीच 'त्वचा से त्वचा का सीधा संपर्क नहीं हुआ' है, तो पॉक्सो कानून के तहत यौन उत्पीड़न का कोई अपराध नहीं बनता है। न्यायमूर्ति यू यू ललित, न्यायमूर्ति रवींद्र भट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदीकी तीन सदस्यीय पीठ ने उच्च न्यायालय का आदेश निरस्त करते हुए कहा कि शरीर के यौन अंग को छूना या यौन इरादे से किया गया शारीरिक संपर्क का कोई भी अन्य कृत्य पॉक्सो कानून की धारा सात के अर्थ के तहत यौन उत्पीड़न होगा। न्यायालय ने कहा कि कानून का मकसद अपराधी को कानून के चंगुल से बचने की अनुमति देना नहीं हो सकता।

पीठ ने कहा, ''हमने कहा है कि जब विधायिका ने स्पष्ट इरादा व्यक्त किया है, तो अदालतें प्रावधान में अस्पष्टता पैदा नहीं कर सकतीं। यह सही है कि अदालतें अस्पष्टता पैदा करने में अति उत्साही नहीं हो सकतीं।'' न्यायमूर्ति भट ने इससे सहमति रखते हुए एक पृथक फैसला सुनाया। उन्होंने 'पॉक्सो' कानून के तहत 'स्पर्श' शब्द के अर्थ की व्याख्या करने के लिए अंग्रेजी के लेखक लेविस कैरोल की 'एलिस इन वंडरलैंड' का हवाला दिया और कहा कि अपील के तहत दिये गये फैसले ने उन्हें इसकी कुछ पंक्तियां याद दिला दीं। न्यायमूर्ति भट ने 13 पृष्ठों के अपने फैसले में कैरोल को उद्धृत करते हुए कहा- ''जब मैं एक शब्द का उपयोग करता हूं'', हंपटी डंपटी एक तिरस्कारपूर्ण स्वर में कहा जाता है, ''इसका मतलब है-ना तो अधिक ना ही कम।'' उन्होंने अपने फैसले में लिखा कि सवाल यह है कि क्या स्पर्श करने का एक अंतर्भूत अर्थ है जैसा कि एलिस ने कहा था, या क्या इसका मतलब सिर्फ ऐसा कुछ है जो न्यायाधीशों ने कहा कि इसका अर्थ है, ना ज्यादा, ना कम।

पीठ ने कहा, ''यौन उत्पीड़न के अपराध का सबसे महत्वपूर्ण घटक यौन इरादा है और बच्चे की त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं। किसी नियम को बनाने से वह नियम प्रभावी होना चाहिए, न कि नष्ट होना चाहिए। प्रावधान के उद्देश्य को नष्ट करने वाली उसकी कोई भी संकीर्ण व्याख्या स्वीकार्य नहीं हो सकती। कानून के मकसद को तब तक प्रभावी नहीं बनाया जा सकता, जब तक उसकी व्यापक व्याख्या नहीं हो।'' न्यायालय ने कहा कि यह पहली बार है, जब अटॉर्नी जनरल ने कोई अपील दायर की है। मामले में न्याय मित्र के रूप में अपराधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा पेश हुए, जबकि उनकी बहन वरिष्ठ अधिवक्ता गीता लूथरा राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से पेश हुईं। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस बार एक भाई और एक बहन भी एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं।

सार समाचार

3 कृषि कानूनों पर बोले कमलनाथ, किसानों पर लगे मुकदमे भी लेने चाहिए वापिस

भोपाल। 3 कृषि कानून के वापस होने पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि आंदोलन के दौरान देश भर में किसानों पर दर्ज मुक़दमे भी वापस लेना चाहिए। अगर यह फैसला केंद्र पहले ले लेती तो 700 से अधिक किसानों की मौत नहीं होती। कमलनाथ ने कहा कि पिछले वर्ष सितंबर महीने में संसद में पारित तीन कृषि कानूनों के विरोध में 1 वर्ष से अधिक समय से देश भर के लाखों किसान सड़कों पर आंदोलन कर रहे थे। सरकार से इन कानूनों को वापस लेने की गुहार लगा रहे थे। इस आंदोलन के दौरान 700 से अधिक किसानों की मौत हो गई। किसानों को इस विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर प्रताड़ना भी झेलनी पड़ी। उन्हें तरह-तरह की उलाहना भी सहना पड़ी। कभी उन्हें आतंकवादी, कभी देशद्रोही, कभी दलाल, कभी अन्य नामों से संबोधन किया गया, लेकिन किसान टस से मस नहीं हुए। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूर्व में ही ले लिया जाता, सरकार अपना अहंकारी और अड़ियल रवैया पूर्व में ही छोड़ देती, तो कई किसानों की जान बचाई जा सकती थी। जिन किसानों को भाजपा के लोग इन कृषि कानूनों के विरोध करने के कारण कभी कांग्रेस समर्थक, कभी देशद्रोही, दलाल, आतंकवादी तक कहते थे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि जनता यदि इसी प्रकार बीजेपी को चुनावों में सबक सिखाती रही तो उसकी इसी प्रकार जीत होती रहेगी। अब मोदी सरकार को कृषि कानून के विरोध में चल रहे आंदोलन के दौरान देश भर में किसानों पर दर्ज मुकदमे भी वापस लेना चाहिये।

माइक बंद होने के बाद भी भावुक होकर बोले नायडू, सत्ता में लौटने तक विधानसभा सदन में नहीं करूंगा प्रवेश

अमरावती। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को संकल्प लिया कि सत्ता में लौटने तक वह आंध्र प्रदेश विधानसभा सदन में कदम नहीं रखेंगे। भावुक हुए नेता विपक्ष ने सदन में कहा कि सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस के सदस्यों द्वारा उनके खिलाफ लगातार इस्तेमाल किए जा रहे अपशब्दों से वह आहत हैं। नायडू ने कहा, पिछले ढाई साल से मैं अपमान सह रहा हूं लेकिन शांत रहा। आज उन्होंने मेरी पत्नी को भी निशाना बनाया है। मैं हमेशा सम्मान के लिए और सम्मान के साथ रहा। मैं इसे और नहीं सह सकता। विधानसभा अध्यक्ष तम्मिनेनी सीताराम ने जब उनका माइक संपर्क काट दिया, तब भी नायडू ने बोलना जारी रखा। सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने नायडू की टिप्पणी को नाटक करार दिया। कृषि क्षेत्र पर एक संक्षिप्त चर्चा के दौरान सदन में दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने निराशा व्यक्त की। बाद में, उन्होंने अपने कक्ष में अपनी पार्टी के विधायकों के साथ अचानक बैठक की, जहां वह कथित तौर पर अत्यंत भावुक हो गए। तेदेपा के स्तब्ध विधायकों ने नायडू को सांत्वना दी जिसके बाद वे सभी सदन में वापस आ गए। नायडू ने तब अपने फैसले की घोषणा की और कहा कि सत्ता में लौटने तक वह विधानसभा सदन में कदम नहीं रखेंगे।

मुंबई के विले पार्ले में मॉल में लगी भीषण आग

मुंबई। मुंबई के उपनगरीय इलाके विले पार्ले में चार मंजिला एक मॉल में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। नगरपालिका के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि यह आग प्राइम मॉल में सुबह करीब 11 बजे लगी। अधिकारी ने बताया, 'दमकल की कम से कम 13 गाड़ियां, पानी के आठ टैंकर और अन्य दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया और आग बुझाने का अभियान जारी है।' घटना के बारे में अन्य विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। शहर में इस हफ्ते अब तक भीषण आग लगने की तीसरी घटना सामने आई है। बृहस्पतिवार को, पश्चिमी उपनगर के पवई में गाड़ियों के एक शोरूम का गैराज आग में जलकर खाक हो गया था जबकि 16 नवंबर को लगी एक आग में बहुराष्ट्रीय कंपनी के सर्विस सेंटर को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा था।

देश में कोरोना संक्रमण के 11,106 नए मामले दर्ज, 459 और मरीजों ने तोड़ा दम

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 11,106 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,44,89,623 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,26,620 हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 459 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,65,082 हो गयी है। देश में लगातार 42 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 20 हजार से कम हैं और 145 दिन से 50 हजार से कम दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी घटकर 1,26,620 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.37 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,142 कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.28 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 0.98 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 46 दिनों से दो प्रतिशत से कम पर बनी हुई है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.92 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 56 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। अभी तक कुल 3,38,97,921 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 मृत्यु दर 1.35 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 115.23 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमिआंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 0.98 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 46 दिनों से दो प्रतिशत से कम पर बनी हुई है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.92 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 56 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। अभी तक कुल 3,38,97,921 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 मृत्यु दर 1.35 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 115.23 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

पंजाब में सिखों की नाराजगी खत्म होने, पश्चिमी उप्र में जाटों के मान जाने की जगी उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनाव से पहले तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा से सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लगता है कि इससे उसकी चुनावी संभावनाएं मजबूत होंगी और उसके प्रचार अभियान को एक नयी ऊर्जा मिलेगी। ज्ञात हो कि पिछले साल सितंबर महीने में केंद्र सरकार विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) कानून, कृषि (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत अश्वासन और कृषि सेवा करार कानून और आवश्यक वस्तु संशोधन कानून, 2020 लेकर आई थी। इसके बाद से ही देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन कानूनों का भारी विरोध आरंभ हो गया और इन राज्यों के किसान दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर आकर डंट गए। इन तीनों राज्यों में किसानों की नाराजगी और लगभग साल भर से चल रहा आंदोलन भाजपा के लिए मुसीबत का सबब बन गए थे। बहरहाल, तीनों कानूनों को निरस्त करने से भाजपा नेताओं में अब उम्मीद जगी है कि वह इस फैसले से पंजाब में सिखों की नाराजगी खत्म कर जहां एक नयी शुरुआत करेगी वहीं वहीं जाट बहुल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वह अपना जनाधार वापस पाने मे सफल होगी।

भाजपा नेताओं ने कहा कि यह निर्णय सिखों का दिल जीतने के लिए पार्टी के प्रामाणिक प्रयासों को दर्शाता है। ज्ञात हो कि कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन में हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटों के साथ बड़ी संख्या में पंजाब के सिख भी शामिल थे। सीमायी राज्य पंजाब में भाजपा इस बार अकेले दम मैदान में उतरने की तैयार में है। हालांकि उसकी कोशिश पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पार्टी के साथ गठबंधन की भी है। कांग्रेस से अलग होने के बाद सिंह ने अपनी नयी पार्टी का गठन किया है। किसानों के मुद्दों पर उन्होंने पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। सुरक्षा से संबंधित विषयों पर भी वह लगातार बोलते रहे हैं और खालिस्तान समर्थकों और पाकिस्तान की ओर से असंतोष को हवा देने के प्रयासों को भी रेखांकित करते रहे हैं।

यहां यह बात भी अहम है कि प्रधानमंत्री ने कृषि कानूनों की घोषणा के लिए गुरु नानक देव की जयंती को चुना। उन्होंने अपने राष्ट्र के नाम संबोधन की शुरुआत भी गुरु नानक जयंती के अवसर पर लोगों को बधाई देने से की और इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि डेढ़ साल के अंतराल के बाद करतारपुर साहिब कॉरिडोर अब फिर से खुल गया है। पंजाब में लंबे समय तक भाजपा का शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन था लेकिन इन तीनों ही कृषि कानूनों के मुद्दे पर उसने अलग रास्ता अख्तियार कर लिया और बाद में राज्य में बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का एलान किया। अब चूंकि तीनों कृषि कानून इतिहास बन जाएंगे, भाजपा को उम्मीद है कि वह अपने संभावित सहयोगी सिंह के साथ खोई जमीन वापस पा सकती है। अगले साल की शुरुआत में जिन पांच राज्यों में विधानसभा होने हैं, उनमें भाजपा के लिए सबसे अहम उत्तर प्रदेश है।

पिछले चुनाव में भाजपा ने राज्य की 403 में से 312 सीटों पर जीत हासिल की थी और राज्य में सरकार बनाई। राज्य में फिर से सत्ता में लौटने की भाजपा की कोशिशों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश कृषि कानूनों के प्रभाव के चलते बाधक बनता दिख रहा था। जाटों में भाजपा के खिलाफ बढ़ती नाराजगी के मद्देनजर समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल ने हाथ मिला लिया। ऐसे में भाजपा के लिए इस क्षेत्र में स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण बनती दिख रही थी। इस क्षेत्र के गन्ना किसानों में उत्पाद का उचित मूल्य ना मिलने को लेकर भी नाराजगी थी। साथ ही लखीमपुर खीरी की घटना ने भाजपा की मुश्किलों को और बढ़ा दिया था। लखीमपुर खीरी में आठ लोगों की गाड़ियों से रौंदकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस मामले में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के पुत्र आरोपी हैं और वह फिलहाल इस मामले में गिरफ्तार हैं। कृषि कानूनों को निरस्त करने का फैसला पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटों को एक बार फिर भाजपा के पक्ष में कर सकता है।

वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा और 2017 के राज्य विधानसभा के चुनावों में यहां के मतदाताओं ने भाजपा का भरपूर समर्थन किया था। अगर ऐसा होता है तो विपक्षी दलों की जाटों, अल्पसंख्यकों और अन्य छोटे दलों को साथ लाकर सामाजिक समीकरण साधने के प्रयासों को भी झटका लग सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय लोक दल के एक नेता ने दावा किया कि कृषि कानूनों को निरस्त करने के फैसले से विपक्ष को साहस मिलेगा और भाजपा के

खिलाफ एकजुट होने का संदेश देगा क्योंकि इस फैसले से यह संदेश भी गया है कि लोकप्रिय प्रदर्शनों से सरकार को झुकाया भी जा सकता है। पंजाब और उत्तर प्रदेश के अलावा अगले साल की शुरुआत में गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार की सुबह राष्ट्र को संबोधित करते हुए कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) कानून, कृषि (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत अश्वासन और कृषि सेवा करार कानून और आवश्यक वस्तु संशोधन कानून, 2020 को निरस्त करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन कानूनों को निरस्त करने की संवैधानिक प्रक्रिया संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पूरी कर ली जाएगी।

रोमानिया में हथियार कारखाने में विस्फोट, 4 लोगों की मौत

बुखारेस्ट। दक्षिण रोमानिया के एक छोटे शहर में हथियारों के कारखाने में विस्फोट होने से चार लोगों की मौत हो गई और चार

अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। रोमानिया की नेशनल प्रेस एजेंसी ने कहा कि धमाका दोपहर के समय राजधानी बुखारेस्ट से लगभग 200 किलोमीटर दूर वेल्सिया काउंटी के बाबेनी में हुआ। एजेंसी ने कहा कि मृतकों में तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं। घायलों की स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है।

इथियोपिया में संयुक्त राष्ट्र के 6 कर्मचारी रिहा, 6 अन्य अब भी हिरासत में

संयुक्त राष्ट्र। इथियोपिया में इस महीने की शुरुआत में हिरासत में लिये गये संयुक्त राष्ट्र के छह स्थानीय कर्मचारियों को रिहा कर

दिया गया, जबकि पांच अन्य और एक सेवक अब भी हिरासत में हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र के छह कर्मचारियों को आज रिहा कर दिया गया। पांच कर्मचारी और एक सेवक अब भी हिरासत में हैं।' एक अधिकारी ने बताया कि इथियोपिया में सहायता पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के साथ अनुबंध करने वाले 70 ट्रक चालकों को भी पहले हिरासत में लिया गया था लेकिन अब उन्हें भी रिहा कर दिया गया है।

नई रिपोर्ट में खुलासा:जिम्बाब्वे में फेरी लगाकर बदले जा रहे फटे-पुराने डॉलर, लोगों का बैंकों पर भरोसा नहीं, गद्दों के नीचे रखते हैं नोट

हरारे। जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे की गलियों में इन दिनों लाउडस्पीकर पर फटे-पुराने अमेरिकी डॉलर बदले जा रहे हैं। फेरी लगाने वाले कमाई भी कर रहे हैं। 20 डॉलर के नोट के बदले 15 से 18 डॉलर तक दिए जाते हैं। यहां तक कि जिम्बाब्वे ??????की सरकार भी इन डॉलरों की अदला-बदली को परोक्ष रूप से बढ़ावा दे रही है। दरअसल जिम्बाब्वे की मुद्रा का बहुत ज्यादा अवमूल्यन हो चुका है। महंगाई दर 54 फीसदी तक पहुंच चुकी है।

वैसे पिछले साल तक मंहगाई दर लगभग 700 फीसदी के आंकड़े तक पहुंच चुकी थी। लोगों को छोटी-छोटी चीजें खरीदने के लिए भी बहुत ज्यादा जिम्बाब्वे ?डॉलर खर्चने पड़ रहे थे। सरकार की हालत ये थी कि अर्थव्यवस्था की गिरती स्थिति के कारण वो और अधिक नोट नहीं छाप सकती। ऐसे में अमेरिकी डॉलर की खासी मांग है। फटे-पुराने अमेरिकी डॉलर नोटों को भी बदलने का तरीका अपनाया है। डॉलर बदलने वाले कैटानो कसानी का कहना है कि अमेरिकी डॉलर का सीरियल नंबर और कुछ और फीचर सलामत होने चाहिए, वो बदल देता है। जिम्बाब्वे के लोगों को अपने देश के बैंकों पर भरोसा नहीं है। वे लोग नोटों को बैंकों में जमा कराने की बजाए गद्दों के नीचे रखते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की

सिंगापुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के अपने समकक्ष और रक्षा मंत्री समेत वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की और भारत एवं सिंगापुर के बीच सामरिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे। उन्होंने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन के साथ ''सार्थक बातचीत' की।

जयशंकर ने ट्वीट किया, ''एक महत्वपूर्ण सामरिक साझेदार के साथ सार्थक बातचीत हुई। शाम मेजबानी के लिए धन्यवाद विवियन बालकृष्णन। सिंगापुर के विचार हमेशा से बहुमूल्य रहे हैं।' बालकृष्णन ने भी ट्वीट किया, ''अपने प्रिय मित्र से मिलकर खुशी हुई।'

मंत्री ने लिखा, ''हमने सिंगापुर और भारत के बीच उत्कृष्ट संबंधों पर फिर से प्रतिबद्धता जताई और क्षेत्रीय तथा वैश्विक विकास पर चर्चा की।' इससे पूर्व जयशंकर ने सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और सामाजिक नीतियों के समन्वय मंत्री थरमन षणमुगरत्नम से मुलाकात की। जयशंकर ने ट्वीट किया,

''सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और सामाजिक नीतियों के समन्वयक मंत्री थरमन षणमुगरत्नम से मिलकर खुशी हुई। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक स्थिति पर अच्छी चर्चा हुई।' थरमन ने भी अपने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, ''वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक प्राथमिकताओं पर रचनात्मक चर्चा हुई तथा संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा हुई।'इसके बाद जयशंकर ने रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन से मुलाकात की। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''सिंगापुर के रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन से मिलकर हमेशा की तरह खुशी हुई। उनसे रणनीतिक मामलों पर सार्थक चर्चा हुई।' उन्होंने गृह और कानून मंत्री काशीविश्वनाथन षणमुगम से भी मुलाकात की। जयशंकर ने ट्वीट में कहा, ''गृह और कानून मंत्री काशीविश्वनाथन षणमुगम से मिलकर अच्छा लगा। हमारी साझेदारी को मजबूत करने पर उनके विचारों की सराहना करता हूं।' पूर्व में भारतीय उच्चायोग ने बताया था कि जयशंकर सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ विवियन बालकृष्णन से मुलाकात करेंगे। उनका शुक्रवार को सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग से भी मिलने का कार्यक्रम है। जयशंकर शुक्रवार को ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमिक फोरम में ''ग्रेटर पावर कॉम्पिटिशनः द इमर्जिंग वर्ल्ड ऑर्डर' पर होने वाली एक परिचर्चा में भी शामिल होंगे।

अफगानिस्तान पर युएनएससी में बोला भारत, मंडरा रहा है आतंकवाद का गंभीर खतरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि अफगानिस्तान में आतंकवाद का 'गंभीर खतरा' लगातार बना हुआ है और युद्धग्रस्त देश की वर्तमान स्थिति का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

इसके साथ ही उन्होंने काबुल में एक 'समावेशी सरकार' के आह्वान को दोहराया जो अफगान समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली हो। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने 'अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन' (यूएनएएमए) पर बुधवार को सुरक्षा परिषद में आयोजित एक बैठक में कहा कि अफगानिस्तान में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान और क्षेत्र में आतंकवाद एक गंभीर खतरा बना हुआ है। वास्तव में, अगस्त से कई अवसरों पर इस परिषद ने

एक स्वर में धार्मिक स्थलों और अस्पतालों पर हुए आतंकी हमलों की भर्त्सना की है। आतंकी हमले का शिकार हुए स्थलों में वे धार्मिक स्थल भी शामिल हैं जिनका इस्तेमाल धार्मिक अल्पसंख्यक करते हैं।'

भारतीय राजदूत ने कहा कि अफगानिस्तान का निकट पड़ोसी होने और वहां के लोगों का लंबे समय से दोस्त होने की वजह से अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति का सीधा असर भारत पर पड़ेगा। तिरुमूर्ति ने युद्धग्रस्त देश में एक 'समावेशी सरकार' के आह्वान को दोहराया जो अफगान समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हो। उन्होंने कहा ''हमारी तात्कालिक प्राथमिकताओं में वहां से बाहर जाने के इच्छुक लोगों को निकालना और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना शामिल है ताकि वहां के लोगों को अफगानिस्तान के अंदर और बाहर आने जाने की अनुमति मिले।'

उन्होंने कहा, 'एक व्यापक, समावेशी और प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक स्वीकार्यता और वैधानिकता मिलेगी।' तिरुमूर्ति ने कहा कि आज यह बेहद जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अफगानिस्तान पर एक स्वर में आवाज उठाए।

कट्टरपंथी संगठन टीएलपी के सामने इमरान सरकार ने घुटने टेके, साद रिजवी हुआ रिहा

इस्लामाबाद। इमरान खान की सरकार ने कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (टीएलपी) के सामने पूरी तरह से घुटने टेक दिए हैं। संगठन के प्रमुख हाफिज साद हुसैन रिजवी को गुरुवार को लाहौर की कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया। जेल अधीक्षक ने इसकी पुष्टि की। डान के अनुसार टीएलपी के एक प्रवक्ता ने बताया कि रिजवी अपनी रिहाई के बाद सबसे पहले रहमतुल लील अलमीन मस्जिद जाएगा। इससे पहले आतंकियों की सूची से उसका नाम हटा दिया गया था। साद की रिहाई प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार द्वारा टीएलपी के प्रदर्शन के दौरान 2,000 से अधिक हिरासत में लिए गए सदस्यों को छोड़ने के लिए सहमत होने के दो सप्ताह बाद हुई। समूह पर प्रतिबंध हटाया गया और इसे चुनाव लड़ने के लिए अनुमति दी गई। वार्ताकारों ने कहा है कि इसके बदले में टीएलपी हिंसा से दूर रहेगी और एक फ्रांसीसी पत्रिका द्वारा पैगंबर मोहम्मद के कैरिकेचर के प्रकाशन पर फ्रांस के राजदूत को निष्कासित करने की मांग को वापस लेगी। टीएलपी ने अक्टूबर के मध्य में देश में सड़कों पर उतरकर हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था। इसमें कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए, दोनों पक्षों के लोग घायल हो हुए थे।

तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान का नाम एंटी टेररिज्म एक्ट (एटीए), 1997 की पहली अनुसूची से 7 नवंबर को हटा दिया गया था। इसके बाद से वह प्रतिबंधित संगठन नहीं रह गया है। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान का प्रमुख होने के नाते हाफिज मोहम्मद साद का नाम एंटी टेररिज्म एक्ट (एटीए), 1997 की चौथी अनुसूची में था। पंजाब गृह विभाग द्वारा जारी 10 नवंबर की अधिसूचना के तहत उसका नाम आतंकवाद विरोधी अधिनियम 1997 की चौथी अनुसूची से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया। पाकिस्तान में आदतन यौन उत्पीड़न करने वालों को बनाया जाएगा नपुंसक।

तालिबान ने पिछले 3 महीनों में 200 हत्याओं व अपहरण के आरोपी किए गिरफ्तार

काबुल। तालिबान अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने मजार-ए-शरीफ शहर और बल्ख प्रांत के जिलों में पिछले तीन महीनों के दौरान हत्या और अपहरण के आरोपी 200 लोगों को गिरफ्तार किया है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा विभाग के प्रमुख अब्दुल अबेद ने कहा, 'इस्लामिक अमीरात द्वारा सत्ता संभालने के बाद पिछले तीन महीनों के दौरान हमने हत्या, अपहरण और डकैती के 200 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और वे अदालतों का इंतजार कर रहे हैं।' 'उनमें से चालीस को दो सप्ताह के दौरान गिरफ्तार किया गया'।

इस बीच, अब्दुल आबेद ने कहा कि इस्लामिक अमीरात ने प्रांत में रैंकों को शुद्ध करने और सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अबेद ने कहा, 'आयोग प्रांत में नव स्थापित बलों की छंटनी और सुधार कर रहा है और प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू कर दिया है।'तालिबान ने पहले रैंकों को शुद्ध करने और उत्तरी अफगानिस्तान में सेना के भीतर सुधार लाने के लिए एक आयोग की स्थापना की है।टोलो न्यूज की

रिपोर्ट के अनुसार मजार-ए-शरीफ में कोर के प्रमुख अताउल्लाह ओमारी ने कहा कि आयोग ने उत्तर में इस्लामिक अमीरात के नाम का दुरुपयोग करने वालों को पहचानने और उन्हें दंडित करने का संकल्प लिया है। आयोग इस्लामिक स्टेट (दाएश) से इस्लामिक अमीरात बलों में घुसपैठियों को रोकने के लिए काम करेगा। 2014 के अंत में दाएश पहली बार अफगानिस्तान के नंगरहार में उभरा। इसका कट्टर लक्ष्य शरिया कानून को लागू करना है और चेतावनी दी है कि दुनिया में जो कोई भी इस्लाम और कुरान के खिलाफ जाएगा उसे आतंकवादी समूह के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। 15 अगस्त 2021 के बाद से दाएश ने कई प्रांतों में आत्मघाती हमलों और लक्षित बम विस्फोटों का घातक सिलसिला छेड़ा है और दर्जनों लोगों की जान ली है। जबकि कुछ हमलों में तालिबान को भी निशाना बनाया गया है।माना जाता है कि दाएश के अधिकांश रंगरूटों को अफगानिस्तान और पड़ोसी पाकिस्तान में तालिबान शाखाओं से हटा दिया गया था।

बांग्लादेश में शिक्षा का मेगा प्लान

10 साल तक के आधे से ज्यादा स्कूली बच्चे लिखा हुआ पढ़ नहीं पाते, अब बदला जा रहा है पूरा ढांचा

ढाका। पड़ोसी देश बांग्लादेश में शिक्षा का मेगा प्लान बनाया गया है। सरकार ने इसे पूरा करने के लिए 2025 तक का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका कारण है कि वहां 10 साल तक के आधे से ज्यादा स्कूली बच्चे लिखा हुआ ठीक से पढ़ नहीं पाते हैं। 15 से 24 साल तक की आयु वर्ग के किशोर और युवाओं में से एक तिहाई पढ़ते नहीं है। कोरोना काल में हाल और खराब हुए।

बांग्लादेश के बच्चों के सामने बड़ा सवाल है कि वे पढ़ाई करें या अपने परिवार को सहारा देने के लए रोजगार से जुड़ें। भारत और पाकिस्तान से उलट बांग्लादेश में लड़कों से ज्यादा संख्या में लड़कियां हाईस्कूल में पढ़ रही हैं। पार्टिसिपेशन रिसर्च सेंटर के जियाउर रहमान के अनुसार बांग्लादेश में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करना आसान काम नहीं था। बांग्लादेश में बच्चे पहले रटकर परीक्षाएं पास करते थे। तीसरी कक्षा तक परीक्षाएं खत्म कर दी हैं। तीसरी से दसवीं तक भी वार्षिक परीक्षा नहीं पूरे वर्ष के नंबरों को जोड़ा जाता है। बांग्लादेश के उप शिक्षा मंत्री हसन

चौधरी का कहना है कि बच्चों को शिक्षा के साथ रोजगार को जोड़ने के लिए वोकेशनल कोर्सेज भी शुरू किए गए हैं।

बांग्लादेश की बढ़ती आर्थिक वृद्धि दर पिछले एक दशक के दौरान 6 फीसदी रही

बांग्लादेश अपने मानव संसाधन के कारण पिछले एक दशक के दौरान सालाना आर्थिक वृद्धि दर को 6 फीसदी रखने में सफल रहा है। कोरोना काल से पूर्व यहां की आर्थिक वृद्धि दर 8 फीसदी थी। इसका बड़ा कारण शिक्षा के क्षेत्र में आया सुधार है। बांग्लादेश में शिक्षा पर जीडीपी का 2.1 फीसदी ही खर्च हो रहा है। वैसे आज लगभग 80 फीसदी बच्चे प्राइमरी तक की पढ़ाई को पूरा करते हैं। पिछले 40 साल पहले बांग्लादेश में केवल एक तिहाई बच्चे ही प्राइमरी तक की पढ़ाई पूरी कर पाते थे।

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में पहली बार संसद में मनाया गया प्रकाशोत्सव

एडिलेड। गुरु नानक देव का 552वां प्रकाशोत्सव पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में भी उत्सव की धूम है। इसी कड़ी में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की राजधानी एडिलेड में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यहां बहुसंख्यक सिखों सहित भारतीयों ने गुरुपर्व मनाने के लिए पूरी तैयारियां की हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में पहली बार (क्षेत्र के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के राज्यों और क्षेत्रों में चौथा सबसे बड़ा और जनसंख्या के हिसाब से पांचवां सबसे बड़ा राज्य) श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाशोत्सव संसद भवन के अंदर हुआ। यह सभी के लिए गर्व का पल है कि पवित्र ग्रंथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन के बालकनी कक्ष में सजाया गया है।

विधान परिषद और ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी के सदस्य रसेल वोर्टली ने इसका आयोजन किया है। रसेल वोर्टली ने कहा कि मैंने कई त्यौहारों, कार्यक्रमों, गुरुद्वारा और शादियों में भाग लिया है, मुझे लगता है कि मेरा सिखों के साथ गहरा संबंध है। ये बहादुर, योद्धा और उद्धारकर्ता होते हैं। वोर्टली ने उस सभा को संबोधित किया, जिसमें भारतीय समुदाय के गण्यमान्य लोगों के साथ-साथ दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई राजनेता भी थे। वोर्टली अपनी पत्नी और संसद सदस्य डाना वोर्टली के साथ इस कार्यक्रम में पहुंचे हुए थे।

वोर्टली ने कहा कि दुनिया भर में कोरोना महामारी के कारण उत्सव नहीं मनाए गए पर यह कार्यक्रम एक उम्मीद जगाने वाला है, जिसने सभी को एक बार फिर से साथ ला दिया है। वोर्टली ने

कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं 'अपनी प्रार्थना करो और अपना भोजन साझा करो ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। मैं आप सभी को गुरुद्वारों में खाना बनाते और बांटते हुए देखा है..जो उनकी शिक्षा ही है। उन्होंने कहा कि आपने संकट के समय ऑस्ट्रेलिया में जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया, जो सराहनीय है। इस अवसर पर साऊथ ऑस्ट्रेलियन हाऊस ऑफ असैंबली के स्पीकर डैन क्रेगन, एडिलेड के फैडरल मैंबर स्टीव जॉर्जनास और विपक्ष के नेता और ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी के सदस्य पीटर मालिनौस्कस भी मौजूद थे।

पंज प्यारे संसद भवन के बाहर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब को अंदर तक लाए। प्रकाशोत्सव को लेकर भारतीय समुदाय के लोगों ने कीर्तन और प्रार्थना की, जिसका उद्देश्य श्री गुरु नानक देव जी के मानवता की एकता और सभी के लिए समानता के संदेश को फैलाना था। सामुदायिक संपर्क अधिकारी मोनिका कुमार ने कहा कि कोविड का समय न केवल ऑस्ट्रेलिया बल्कि दुनिया भर में सभी के लिए कठिन वर्ष रहा है। ऐसे में श्री गुरु नानक देव जी की जयंती का यह उत्सव सभी के लिए अद्वितीय है। अपने ऊपर विश्वास बनाए रखना और सभी की भलाई के लिए प्रार्थना करना ही इस पर्व का संदेश है।

दुबई एयर शो में भारतीय वायु सेना की धूम:तेजस ने बुर्ज खलीफा के ऊपर भरी उड़ान, यूएई की एयर फोर्स के साथ सूर्यकिरण ने किया फ्लाईपास्ट

दुबई। पिछले 5 दिनों से दुबई में जारी एयरशो खत्म हो गया। एयरशो के आखिरी दिन भारतीय वायुसेना के तेजस और सूर्यकिरण एयरक्राफ्ट की धूम रही। सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम ने यूएई की अल फुर्सन डिस्प्ले टीम के साथ मिलकर फ्लाईपास्ट किया। दुबई में यह एयर शो हर 2 साल में आयोजित किया जाता है।

पाक में साइबर क्राइम:पाकिस्तान की विधायक का कथित अश्लील वीडियो वायरल; शिकायत के बाद एक गिरफ्तार

इस्लामाबाद/लाहौर। पाकिस्तान में नेता भी साइबर क्राइम का शिकार बन रहे हैं। यहां पंजाब प्रांत की एक महिला नेता का कथित अश्लील वीडियो वायरल हो रहा है। इस महिला नेता का नाम सानिया आशिक है। वो तक्षशिला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। सानिया ने 26 अक्टूबर को सरकार और केंद्रीय जांच एजेंसी के पास इस वीडियो के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। लंबी जांच के बाद पुलिस ने वीडियो लीक करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि एजेंसी ने अब तक इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है। 26 अक्टूबर को सानिया आशिक ने फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के पास एक शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में इसकी कॉपी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की थी। सानिया का आरोप है कि सोशल मीडिया पर कई दिनों से एक अश्लील वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें नजर आने वाली महिला उनकी तरह दिख रही है और सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि वीडियो में नजर आने वाली महिला सानिया आशिक ही है। विधायक ने इसकी शिकायत इमरान खान की केंद्र सरकार से भी की।

शिकायत के बाद पंजाब प्रांत की पुलिस और FIA ने जांच शुरू की। करीब तीन हफ्ते चली जांच के बाद स्न्रद्ध ने लाहौर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि पुलिस ने इसकी पहचान उजागर नहीं की। ये भी नहीं बताया कि वीडियो में नजर आ रही महिला सानिया आशिक है या कोई और। सिर्फ व्यक्ति की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने कहा- हमने नई स्न्रद्धक्रदर्ज की है। इस व्यक्ति के बारे में आगे जांच की जा रही है। सानिया आशिक को मिल रही धमकियों और प्रताड़ना के मामले में भी जांच की जाएगी।

सुविचार — जिसने ज्ञान को आचरण में उतार लिया, उसने ईश्वर को मूर्तिमान कर लिया। - विनोबा भावे

संपादकीय

एक बड़ा दाग

भारतीय पुलिस सेवा के किसी वरिष्ठ अधिकारी को कानून से छिपते-बचते देखना न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। इस अधिकारी ने सर्वोच्च न्यायालय के सामने सुरक्षा की गुहार लगाई है, जिसे न्यायालय ने उचित ही ठुकरा दिया है। ऐसे अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने उनसे उनका ठिकाना पूछा है और साफ कर दिया है कि जब तक हम यह नहीं जान लेते कि आप कहां हैं, तब तक सुरक्षा नहीं देंगे। बेशक, यह ऐसा विरल संगीन मामला है, जिससे पुलिस सेवा की छवि पर उत्तरोतर दाग बढ़ना तय है। मुंबई के फरार पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह कानून के लंबे हाथों से बचने के लिए खूब हाथ-पैर मार रहे हैं। यह भी स्पष्ट नहीं कि वह देश में हैं भी या नहीं। उनकी ओर से पेश वकील को न्यायालय ने सही सूचना देने के लिए कहा है और सुनवाई के लिए 22 नवंबर की तारीख तय की है। अदालत स्वाभाविक ही किसी भी तरह के जोखिम से बचकर कदम बढ़ाना चाहती है। अक्सर यह देखा गया है कि अपराधी अदालती नरमी का नाजायज फायदा उठाते हैं। अतः यह जरूरी है कि भगोड़े अधिकारी को पहले सामने लाया जाए और उसके बाद ही उनकी सुरक्षा या जमानत पर सोचा जाए। दरअसल, परमबीर सिंह की ओर से की गई सुरक्षा की गुहार उन पर कसते शिकंजे का ही परिणाम है। मुंबई की एक निचली अदालत ने बुधवार को परमबीर सिंह और शहर के कुछ अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले में सिंह को 'घोषित अपराधी' करार दिया है। एक तरह से अपराधी घोषित होने के बाद ही इस पूर्व पुलिस अधिकारी को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। अफसोस की बात है, इतने वरिष्ठ अधिकारी को आखिरी बार इस साल मई में अपने कार्यालय में देखा गया था, उसके बाद से ही वह अवकाश पर हैं। पुलिस सचेत रहती, तो 'भगोड़े', 'घोषित अपराधी' जैसी नौबत ही नहीं आती। अधिकारी अगर सही तरीके से काम कर रहे थे, तो उन्हें भागने की जरूरत कतई नहीं थी। मुंबई पुलिस के दामन पर भी एक बड़ा दाग लगा है। यह पहली बार है, जब शहर के किसी पुलिस आयुक्त को भगोड़ा घोषित किया गया है और मुंबई के 43वें पुलिस आयुक्त सहित दो लोगों को 30 दिनों के भीतर अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है, वरना उनकी संपत्ति कुर्क करने प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह मामला इसलिए भी गंभीर है कि विगत चार महीनों में भारतीय पुलिस सेवा के इस वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ पांच मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन वह कहीं भी जांच के लिए उपस्थित नहीं हुए। यहां तक कि वह न्यायमूर्ति केयू चांदीवाल आयोग के समक्ष पेश होने में भी विफल रहे हैं। यह आयोग महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े मामले की जांच कर रहा है। विडंबना देखिए, राज्य के पूर्व गृह मंत्री सलाखों के पीछे हैं, लेकिन मुंबई के आयुक्त रहे अधिकारी फरार हैं। उन्हें हर हाल में सामने लाना चाहिए, ताकि देश को पता चले कि दाल में कुछ काला है या पूरी दाल ही काली है। शासन-प्रशासन के साए में चले फिरौती, वसूली के इस खिलवाड़ का रेशा-रेशा इस देश के लोगों के सामने आना चाहिए। लोगों के विश्वास और कानून के आईने में शासन-प्रशासन को अपना चेहरा नए सिरे से देख लेना चाहिए।

अध्यात्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म की तुलना अमृत, पारस और कल्पवृक्ष से की गई है। इस महान तत्व ज्ञान के संपर्क में आकर मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को, बल और महत्त्व को, पक्ष और प्रयोजन को ठीक तरह समझ लेता है।इस आस्था के आधार पर विनिमत कार्य पद्धति को दृढ़तापूर्वक अपनाए रहने पर महामानव बन जाता है, भले ही सामान्य परिस्थितियों का जीवन जीना पड़े। अध्यात्मवादी की आस्थाएं और विचारणाएं इतने ऊंचे स्तर की होती हैं कि उनके निवास स्थान अन्तःकरण में अमृत का निर्झर झरने जैसा आनन्द और उल्लास हर घड़ी उपलब्ध होता रहता है। अध्यात्म निस्संदेह पारसमणि है। जिसने उसे छुआ वह लोहे से सोना हो गया। गुण, कर्म और स्वभाव में महत्तम उत्कृष्टता उत्पन्न करना अध्यात्म का प्रधान प्रतिफल है। जिसकी आंतरिक महानता विकसित होगी, उसकी बाह्य प्रतिभा का प्रखर होना नितांत स्वाभाविक है। प्रखर प्रतिभा जहां कहीं भी होगी, वहां सफलताएं और समृद्धियां हाथ बांधे सामने खड़ी दिखाई देंगी। लघु को महान बनाने की सामर्थ्य और किसी में नहीं, केवल अंतरंग की महत्ता, गुण कर्म स्वभाव की उत्कृष्टता में है। इसी को अध्यात्म उगाता, बढ़ाता और संभालता है, फलस्वरूप उसे पारस कहने में किसी को कोई आपत्ति नहीं। कल्पना की ललक और लचक ही मानव जीवन का सबसे बड़ा आकषर्ण है। कल्पना लोक में उड़ने वाले ही कलाकार कहलाते हैं। सरसता नाम की जो अनुभूतियां हमें तरंगित, आकषिर्त एवं उल्लसित करती हैं, उनका निवास कल्पना क्षेत्र में ही है। उच्च कल्पनाएं अभावग्रस्त, असमर्थ जीवन में भी आशाएं और उमंगें संचारित करती रहती हैं। संसार में जितना शरीर सम्पर्क से उत्पन्न सुख है, उससे लाख-करोड़ गुना कल्पना, विचारणा एवं भावना पर अवलम्बित है। उस दिव्य संस्थान को सुव्यवस्थित करने और परिस्थितियों के साथ ठीक तरह ताल-मेल मिला लेने की पद्धति का नाम अध्यात्म है। जीवन को सफल समुन्नत बनाना हो तो इसी अध्यात्म का अवलम्बन लेना चाहिए। कल्पना, विचारणा और भावना के परिष्कार के बिना और कोई उपाय नहीं है, जो मनुष्य को सामान्य मानव के स्तर से ऊंचा उठा सके और महानता की ओर आगे बढ़ा सके, अग्रसर कर सके।

भारतीय शिक्षा में नवाचार की जरूरत

- गिरीश्वर मिश्र

आज सूचना और ज्ञान की बढ़ती हुई महत्ता को पहचानते हुए वर्तमान युग का नाम ही 'ज्ञान-युग' रख दिया गया है। जीवन के हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया और कृत्रिम बुद्धि (आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस) का ही बोलबाला हो रहा है (घर में एलेक्सा आपके काम की मदद को हाजिर है!)। रोबोट बहुत सारे काम यहाँ तक कि जटिल सर्जरी आदि करने में बेहद सहायक हो रहा है, कम्प्यूटर और इंटरनेट की सहायता से धरती से चाँद तक बहुत सारा काम हो रहा है। बढ़िया मोबाइल 'आई फोन' हो तो मानो दुनिया ही मुट्ठी में आ गई हो। तो ज्ञान का डंका बज रहा है और सुख की तलाश में ज्ञान बड़े पैमाने पर व्यापक और जटिल ढंग से शामिल होता जा रहा है। ज्ञान का यह दूसरा और संभ्रांत छोर है। उसके दूसरे छोर पर ज्ञानहीन अनपढ़ों की दुनिया है। भारत में इस किस्म का 'डिजिटल डिवाइड' आज सामाजिक-आर्थिक भेदभाव का बड़ा कारण बन रहा है। अंग्रेजों ने शिक्षा की विषय वस्तु और पद्धति सब में बदलाव किया और वर्चस्व के चलते उसे मुख्यधारा में ला खड़ा किया। ज्ञान की दिशा, ज्ञान का सन्दर्भ , ज्ञान की प्रामाणिकता के आधार और संबोध्य सब के सब गैर-भारतीय होते गए। हम सबके लिए एक पश्चिमी साँचा ढाल दिया गया जिसमें अपने को फिट करना ही हमारा काम हो गया। आज आजादी के पचहत्तर साल बीतने को आए ज्ञान की शृंखला की बेड़ियाँ कमजोर होने की जगह और मजबूत हुई हैं। शिक्षा का आयोजन कैसे हो इस प्रश्न का उत्तर पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान की सैद्धांतिकी और अनुप्रयोग पर ही निर्भर करता है। ऐसा करते हुए हम मानसिक रूप से पश्चिमी होते चले गए। पश्चिमीकरण की यह प्रक्रिया इस छद्म ढंग से हुई कि पश्चिमी ज्ञान वैश्विक या सार्व भौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत हुआ और उसी तरह से अंगीकृत किया गया। इस प्रक्रिया में जो कुछ पश्चिम के अनुकूल था उसे स्वीकार किया गया और जो उसके अनुरूप नहीं रहा उसे त्याग दिया गया। हमारे सोच विचार की कोटियाँ, व्याख्याएं और सिद्धांत सभी आयातित होती रहीं। ऐसे में यहाँ पर विकसित हो रहा ज्ञान मौलिक न हो कर एक तरह की छायाप्रति ही बना रहा जिसकी प्रामाणिकता मूल के साथ उसकी अनुरूपता के आधार पर निश्चित की जाती है। नएपन की जगह पुनराख्यान को महत्त्व दिया जाने लगा। ऐसे बहुत कम क्षण ही देखने को मिले जब ज्ञान की दृष्टि से नवोन्मेष के दर्शन होते हों अन्यथा पश्चिम की ज्ञान यात्रा का अनुगमन करने में ही समय बीत जाता है। ज्ञान का खेल और खेल के नियम सभी उन्हीं के। राजनैतिक स्वाधीनता के बावजूद ज्ञान के और शक्ति के शिकंजे से निकलना सरल नहीं है क्योंकि हम एक ऐसी व्यवस्था से बंधे रहे जो सृजन के बदले यथास्थिति के पक्ष में थी इसलिए नवाचार इस मानसिक जकड़न से उबरने के लिए जरूरी है। वैश्विक स्तर पर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए ज्ञान की व्यवस्था सभी देशों में वरीयता प्राप्त कर रही है। इसके लिए संसाधन जुटाए जा रहे हैं और उसकी गुणवत्ता की निगरानी और जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'टाइम्स हायर एजूकेशन' जैसी आकलन व्यवस्था द्वारा उच्च शिक्षा की संस्थाओं की रैंकिंग की जा रही है और विश्व के सभी सचेत देश अपनी शिक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। भारत में भी 'नैक' की संस्था का गठन हुआ है और भारत में भी राष्ट्रीय स्तर पर भी संस्थाओं की रैंकिंग (एनआईआरऍफ़) की जा रही है। उसके निश्चित पैमाने बने हुए हैं जिन पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मूल्यांकन किया जाता है और उसके परिणाम सार्वजनिक किए जाते हैं। संस्थाओं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का आकर्षण बहुत हद तक इन मूल्यांकनों पर निर्भर करता है। साथ ही इस संस्थाओं को व्यवस्थित करने में भी इनकी सहायता ली जाती है। यह एक स्वागतयोग्य पहल है। विश्वविद्यालय के स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता संबर्धित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्देश भी जारी हुए हैं। प्रक्रिया की दृष्टि से निश्चय ही यह सराहनीय कदम है फिर भी वास्तविकता पर गौर करने पर अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं जिनके समाधान के लिए शैक्षिक नवाचार आवश्यक हैं। बदलते समय में शिक्षा का परिवेश और शिक्षा से जुड़ी आशाएं और आकांक्षाएं भी बदली हैं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की तीव्र प्रक्रिया के प्रभाव के बीच शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण हुआ है। साथ ही ताजा सन्दर्भ में देखने पर शिक्षा-अर्जन का तकनीकी आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण बन गया है। लगभग दो साल लम्बी चली कोविड की संक्रामक महामारी के दौर में शिक्षा और तकनीक का रिश्ता तब नई ऊँचाइयों पर जा पहुंचा जब प्राइमरी से उच्च शिक्षा की सारी व्यवस्था 'आन लाइन' शिक्षा के अधीन हो गई थी। अध्यापन हो या परीक्षा मजबूरी में ही सही सारा का सारा काम आनलाइन ही होता रहा। इसके नफ़ा-नुकसान तो अपनी जगह हैं पर शिक्षा के प्रसार और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा तक लाभार्थियों की पहुँच को सुरक्षित रखने की दृष्टि से यह निश्चित रूप से एक प्रभावशाली कदम था। यहाँ पर यह स्मरणीय है कि शिक्षा की सुविधा मुहैया कराने की दृष्टि से जीवन के आरंभिक दो दशकों तक का समय विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। जनसंख्या के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए सभी स्तरों पर शिक्षा संस्थाओं की संख्या अपर्याप्त है। साथ ही शिक्षा संस्थाओं में पर्याप्त वर्ग भेद है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक की दस्तक के साथ कई तरह की भौतिक, सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक घटनाओं की अनुगूँज देश में और वैश्विक स्तर पर फैलती नजर आ रही हैं उनके बीच यह सवाल अहम होता जा रहा है कि जिस तरह के आदमी को रचा-गढ़ा जा रहा है वह इस अर्थ में स्वायत्त रूप से कितना सक्षम और समर्थ है ताकि वह सर्जनात्मक रूप से खुद को, अपने परिवेश को और परिवेश के समस्त जड़ चेतन रहवासियों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सके। शिक्षा का जो ढांचा अंग्रेज छोड़कर गए और जिसे ज्यों का त्यों अपना लिया गया उसे देख कर यही लगता है कि सिर्फ सत्ता का हस्तांतरण हुआ, साहब बहादुर बदल गए बाकी सारी चीजें वही वही रहीं। शिक्षा नीति के नाम पर कवायद होती रही और थोड़े बहुत हेरफेर होते रहे पर उनका भी उत्स विदेश में ही था। इस बार 2020 में एक शिक्षा नीति का मसौदा आया जिसे 'भारतकेन्द्रित' कहा गया। इसमें संरचना, प्रक्रिया और विषय वस्तु को लेकर बड़े गंभीर परिवर्तन के संकल्प प्रस्तुत किए गए जिनको देख कर एक लचीली और प्रतिभा को अवसर देने वाली एक उत्साहवर्धक व्यवस्था दी गई। इसमें मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम रखने पर भी बल दिया गया है। उस मसौदे के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रगति में है। विभिन्न संस्थाएं इस हेतु तैयारी कर रही हैं। आशा की जाती है कि भविष्य में शीघ्र ही शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की रूप रेखा सामने आयेगी। यह हमें याद रखना होगा कि शिक्षा एक व्यवस्था है जो अन्य व्यवस्थाओं से प्रभावित होती है और प्रभावित करती है क्योंकि शिक्षा का आयोजन और नियोजन स्वायत्त या निरपेक्ष न होकर अन्य व्यवस्थाओं के सापेक्ष है और उन पर निर्भर है। शिक्षा की स्वायत्तता स्वयं शिक्षा के लिए वांछित है पर शिक्षा का नियोजन कर रहे राजनैतिक दल या सरकार की मंशा यदि कुछ और है तो शिक्षा परतंत्र रहेगी और एक उपकरण के रूप में ही प्रयुक्त होती रहेगी। पर शिक्षा बेहतर समाज बनाने का अवसर जरूर है। हम जैसा समाज बनाना चाहते हैं वैसी ही शिक्षा भी देनी होगी। शिक्षा के लिए ऊंचे लक्ष्यों की बात हमेशा की जाती है पर जब उसके लिए निवेश की बात आती है तो मुकर जाते हैं। नवाचार लाने के लिए भी साहस, उत्साह और संलग्नता के साथ निवेश की जरूरत होगी। शिक्षा चर्या का परिवेश तकनीकी प्रगति के दौर में बहुत बदल गया है। बच्चों के संज्ञानात्मक अनुभव तेजी से बदल रहे हैं और कौशलों को भी नए सिरे से पहचानने की जरूरत है। स्वामी विवेकानंद, गुरुदेव रबीन्द्र नाथ टैगोर और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों शिक्षा के मार्ग का अपने जीवन और कर्म द्वारा सोदाहरण निदर्शन दिया था और अभी भी उनका जिया जीवन शिक्षा के पराक्रम का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज भी प्रयोग हो रहे हैं और वैकल्पिक शिक्षा के अनेक प्रयास जारी हैं।

इंसानियत की कसौटी पर खरे उतरे शंटी

अरुण नैथानी

सचमुच वह भयावह काल था जब अपने अपनों से बचने लगे थे। पड़ोसी और रिश्तेदार तो दूर, खून के रिश्ते भी अपनों से मुंह फेरने लगे थे। एक अनजानी महामारी से भय का वातावरण। महामारी के दायरे से सामान्य दिनों में चरमराने वाली चिकित्सा व्यवस्था कहां इन लाखों मरीजों का बोझ उठाती। ऐसे में मरीजों को अस्पताल ले जाना और लाना भी मुश्किल काम था। फिर जब महामारी पूरी लय में आई तो लाशों तक की बेकद्री शुरू हुई। गाल बजाने वाले नेता कहीं नहीं दिखाई दिये। जनप्रतिनिधि अपनी सुरक्षित मांदों में थे। उस वक्त कुछ संस्थाएं और इंसानियत के जुनूनी लोग मदद को निकले भी। ऐसा नहीं अस्पताल से लेकर सार्वजनिक जीवन में तमाम ऐसे लोग कोरोना योद्धा देश में काम कर रहे थे। इन्हीं में उल्लेखनीय हैं जितेंद्र शंटी। शहीद भगत सिंह के समाज उत्थान के लिये जुनून से प्रेरित होकर करीब पच्चीस साल से सेवा का लंगर चला रहे हैं शंटी। उनके और उनकी टीम के योगदान को पिछले दिनों नागरिक सम्मान दिया गया। यूं तो घोषणा पिछली जनवरी में हो गई थी, लेकिन फिर कोरोना की दूसरी लहर आ गई। पद्मश्री की घोषणा हुई तो उन्हें लगा उनकी जिम्मेदारी फिर कसौटी पर आई है। कुछ सतही सोच के लोगों ने कहा भी कि अब तो पद्मश्री मिल गया है क्यों श्मशान घाट के चक्कर लगा रहे हो। तब शंटी का कहना था कि भगत सिंह ने 23 साल की उम्र में शहादत दे दी, तो हम इस उम्र में क्यों नहीं कुछ कर गुजरते। वैसे तो पहली कोरोना की लहर में भी शहीद भगत सिंह सेवा दल ने सेवा का जुनून दिखाया। लेकिन दूसरी लहर ज्यादा मारक थी। महामारी का दायरा बड़ा था। शुरुआत में शंटी की संस्था रक्तदान शिविर लगाती थी। वे खुद भी 102 बार रक्तदान कर चुके हैं। फिर मरीजों को ले जाने और अस्पताल से लाने के लिये एंबुलेंस सेवा की शुरुआत हुई। कारवां बढ़ता गया। कोरोना की दूसरी लहर में तो उनकी 18 एंबुलेंस दौड़ रही थी। महामारी ने शंटी को भी नहीं बख्शा वे खुद, उनका बच्चा और पत्नी भी कोरोना की चपेट में आये। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और ठीक होकर भी सेवा में जुट गये। उनके एक जांबाज एंबुलेंस चालक पचपन वर्षीय आरिफ खान की मौत कोरोना से हो गई। लेकिन उनका व टीम का उत्साह कम नहीं हुआ। करीब उन्नीस हजार लोगों को उनकी एंबुलेंस ने अस्पताल व घर पहुंचाया।

ऐसे वक्त में जब अपने रक्त संबंध के लोग भी अपनों के शवों को अंतिम विदाई देने से कतरा रहे थे या पूरा परिवार ही कोरोना संक्रमण की चपेट में था, तो शहीद भगत सिंह सेवा दल के जांबाज मैदान में डटे थे। उन्हें रोज चालीस-पचास फोन मदद के लिये आते। कभी-कभी तो कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया से लोगों के फोन आते कि हमारे परिजनों को अस्पताल पहुंचा दो, अंतिम संस्कार कर दो, हम पैसे देने को तैयार हैं। शंटी बताते हैं कि उनकी संस्था ने करीब चार हजार लोगों का अंतिम संस्कार किया। इस कार्य में संगठन के स्वयं सेवकों के साथ उनका बेटा व पत्नी भी शामिल होते। पीपीए किट व कई मास्क लगाकर वे अनजान लोगों को अंतिम विदाई देते। सैकड़ों ऐसे लोग भी थे, जिनका कोई आगे-पीछे न था। वे दुख जताते हैं कि करीब 967 शव ऐसे थे जिन्हें लोग श्मशान घाट के गेट पर छोड़ गये। यह बड़ा मुश्किल वक्त था, बेटे-बेटियां संक्रमित न हो जायें, इस भय से अपने मृत परिजनों को दूर से नमस्कार करके खिसक जाते थे। कई संतानें तो ऐसी थीं कि वे शव से कीमती सामान, नकदी, मोबाइल और जेवर निकालने को प्राथमिकता देते थे। क्या इन सामानों के जरिये संक्रमण नहीं फैल सकता था? इस दौरान कई ऐसे घटनाक्रमों से शंटी रूबरू हुए कि उन्होंने बार-बार मानवता को मरते देखा। कई घरों में लाशें पड़ी होती थीं और डर के मारे कोई रिश्तेदार व पड़ोसी उन्हें अंतिम संस्कार के लिये नहीं ले जाते थे। हमें उठाने के लिये फोन आते। कभी विदेशों से कि हमारे परिजनों को अंतिम विदाई दे दो। हमारा मानना था कि व्यक्ति की अंतिम विदाई गरिमामय होनी चाहिए। इतना ही नहीं शंटी की टीम का दावा है कि उनकी संस्था ने चौदह हजार लोगों की अस्थियां सम्मान के साथ विसर्जित की। एक घटना का जिक्र करते हुए शंटी बताते हैं कि जब वे एक शव को लेकर उसके घर गये तो बच्चों ने उनकी जेब से सारे पैसे निकाल लिये। उन्होंने मुझे ड्राइवर समझकर पैसे देने चाहे, तो मैंने उनसे कहा कि हम तो ये काम सेवा के लिये करते हैं, पैसे नहीं लेते। तब एक भाई दूसरे से बोला ये तो पागल है, ये पैसे हम बांट लेते हैं। एक किस्सा वे और बयां करते हैं कि दिल्ली में 800 गज की कोठी में रहने वाले एक धनी व्यक्ति की मौत हुई तो उनका शव लेने कोई परिवार का सदस्य नहीं आया। जब उनसे संपर्क किया गया तो कहा कि इसने कोठी तो सामाजिक संस्थाओं के नाम कर दी है, हम क्यों आयें उठाने, उन्हीं लोगों को कहो, जिन्हें प्रापर्टी मिली है। इंसानियत की मौत के ऐसे कई किस्से शंटी बयां करते हैं। लेकिन इसके बावजूद शहीद भगत सिंह सेवा दल के जांबाज इंसानियत के भरोसे को कायम रखे हुए हैं। पिछले दिनों राष्ट्रपति ने जितेंद्र शंटी को चौथा बड़ा नागरिक सम्मान पद्मश्री कोरोना में मानवता की सेवा के लिए प्रदान किया। ऐसे लोगों को जब पद्म पुरस्कार मिलता है तो लगता है पुरस्कार की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

सू-दोकू नवताल -1966

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
				6			7	9

सू-दोकू -1965 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1966

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-3
3. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
5. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-2
6. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
7. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-3
9. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-3
11. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-2
13. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-2
15. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-2,1
17. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
19. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-3
20. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-2
22. 'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-2
23. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-4
24. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-1
25. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-3
27. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-2
28. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-2
29. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
31. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-4
32. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. राहुल राय, शीबा की फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-3
4. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-3
5. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-4
8. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
12. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-2
13. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
14. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-4
15. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-4
16. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-3
18. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-5
21. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-4
26. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-3
29. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-2
30. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1965

पि	या	का	घ	र	■	ह	थ	क	ड़ी
ता	रा	■	रों	■	दो	स्ती	■	न्या	■
■	ना	खु	दा	■	वा	■	अं	दा	ज
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	न	■
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	म
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	डॉ	न
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	व
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वा	ली
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	■
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पा	ल

अभिनेता अली फज़ल का शानदार होगा नया प्रोजेक्ट, अंतरिक्ष की दुनिया को लेकर बनायी जा रही है फिल्म

अभिनेता अली फज़ल ने बृहस्पतिवार को अपनी आगामी फिल्म की पहली झलक जारी की , जिसका निर्देशन आरती कदव करेंगी। अली ने सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक अंतरिक्ष यात्री की वेशभूषा में दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता ने कहा कि उनकी आगामी फिल्म का विषय ऐसा है, जिस पर अब तक कोई फिल्म नहीं बनाई गयी है और वह इसे दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अली (35) ने एक वक्तव्य जारी कर कहा, '' हमने एक बहुत ही बड़े विषय को इस फिल्म के जरिए समेटने की कोशिश की है, मुझे उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे।'' इस फिल्म के शीर्षक की घोषणा अब तक नहीं की गयी है और यह अंतरिक्ष विज्ञान संबंधी विषय पर आधारित होगी।

'आर्या 2' की रिलीज से पहले सुष्मिता सेन बोलीं- इस सीरीज ने कई लेवल पर मेरी जिंदगी बदल दी

राम माधवानी द्वारा निर्देशित 'आर्या सीजन 2' जल्द ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। सुष्मिता सेन अभिनीत एक्शन ड्रामा को पहले सीज़न के लिए बहुत अच्छी समीक्षा मिली थी और हाल ही में, निर्माताओं द्वारा दूसरे सीज़न 2 का शानदार और दमदार टीज़र रिलीज़ किया गया है।

सुष्मिता सेन ने मुख्य भूमिका में एक बार फिर वापसी कर ली है। हाल ही में सुष्मिता ने आर्या से उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात की है। सुष्मिता सेन ने कहा, मुझे लगता है कि आर्या से पहले, मैं एक अभिनेता की तरह थी, व्यक्तिगत मोर्चे पर भी, मुझे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और साथ ही एक चुनौतीपूर्ण 5 साल की अवधि का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, मुझे लगा कि यूनिवर्स को मुझे रिवार्ड देना था क्योंकि मैंने वहां पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। और मैं आर्य को वह रिवार्ड कह सकती हूं। यह सिर्फ प्रोफेशनल लेवल पर नहीं, बल्कि सही समय पर आया है। आर्या की भूमिका निभाना एक योग्य अनुभव रहा है और इसे सफलतापूर्वक करने के लिए, एक मां और एक महिला के रिश्ते को प्रदर्शित करना, जो परिवार को एक साथ रख सकती है, भले ही परिवार अंडरवर्ल्ड और ड्रग माफिया का हो, आप सभी को एक साथ जोड़ते हैं।

मुझे लगता है कि आर्या ने कई लेवल पर मेरी जिंदगी बदल दी है। एक अभिनेता के रूप में इसका हिस्सा बनना एक रोमांचक अनुभव था और यह प्यारी श्रृंखला है। मुझे लगता है कि यह एक ऑल-राउंड अनुभव था जिसने निश्चित रूप से मेरे जीवन को बेहतर के लिए बदल दिया है।

हाल ही में मेकर्स द्वारा आर्या 2 का टीजर जारी किया गया था जिसमें दर्शकों को सुष्मिता के उग्र व्यक्तित्व को करीब से देखने का मौका मिला जिसके बाद अब सभी को सीरीज़ के रिलीज़ होने का इंतजार है। आर्या वापस आ गई हैं और इस बार कुछ अधिक बड़ा और बेहतर होगा।

फिल्म योद्धा में प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

शेरशाह में अपने शानदार अभिनय के जरिए दर्शकों और आलोचकों की तारीफ बटोर रहे अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा धर्मा प्रोडक्शंस की पहली एक्शन फिल्म योद्धा में प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। फिल्म का निर्देशन पुष्कर ओझा और सागर आंबरे की जोड़ी करेगी जबकि इसका निर्माण करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शंस और शशांक खैतान की मेंटोर डिसाइपिल फिल्म्स मिलकर करेंगे।

निर्देशक के रूप में पुष्कर और सागर की यह पहली फिल्म होगी। धर्मा प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया ऐप ट्विटर पर योद्धा की पहली झलक को साझा किया, जिसमें सिद्धार्थ बिल्कुल नए अवतार में दिखाई देंगे।

फिल्मकार करण जौहर ने ट्विटर पर कहा कि शेरशाह में कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाने वाले सिद्धार्थ धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली पहली एक्शन फिल्म में प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। करण ने कहा कि योद्धा 11 नवंबर 2022 को रिलीज होगी। इस फिल्म में दिशा पाटनी और राशि खन्ना भी अहम भूमिका में दिखाई देंगी।

अहान शेट्टी को देख मिलन लूथरिया को आई युवा अजय देवगन की याद

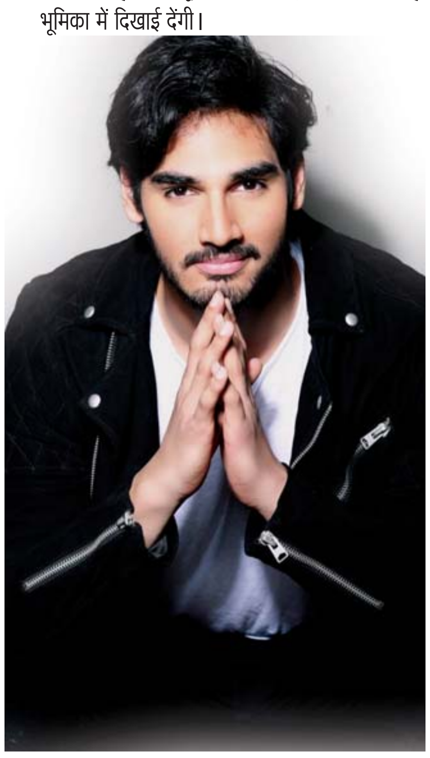

हिंदी सिनेमा के बेहतरीन और सबसे सफल फिल्म निर्माताओं में से एक, मिलन लूथरिया अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तड़प' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो अहान शेट्टी की पहली फिल्म है।

वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई, टैक्सी नंबर 9211 और द डर्टी पिक्चर जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके मिलन 'तड़प' को दर्शकों से मिल रही उत्साहजनक प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं, जो अहान और तारा सुतारिया की सिज़लिंग ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और भावपूर्ण संगीत की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं।

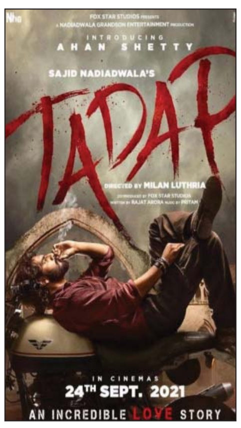

अहान द्वारा 'तड़प' से अभिनय की शुरुआत करने के बारे में बात करते हुए, मिलन कहते हैं, अहान के साथ मेरी यात्रा या मेरे साथ उनकी यात्रा एक अप्रत्याशित और सहज रही है। मुझे नहीं पता था कि ऐसा कुछ मेरे सामने आएगा जब साजिद (नाडियाडवाला) ने मुझे अहान को लॉन्च करने के बारे में बात करने के लिए बुलाया था।

उन्होंने कहा, मुझे उनकी एक तस्वीर याद आई जो मैंने उससे कुछ महीने पहले देखी थी और मुझे अच्छी लगी थी। उसके बारे में कुछ बहुत ही प्यारा था - एक अच्छी तरह से निर्मित व्यक्ति जिसके चारों ओर मासूमियत और इंटिग्रिटी थी। तो मैंने पूछा कि क्या मैं उनसे मिल सकता हूं। हम मिले और वह एक बहुत ही खुले, सीधे-सादे युवक के रूप में सामने आये और मैंने फैसला किया कि मुझे उनका टेस्ट लेना चाहिए कि हम एक साथ किस तरह का काम कर सकते हैं।

यह अच्छे से चला और मैंने महसूस किया कि हालांकि वह बहुत सॉफ्ट-स्पोकन और शर्मीले हैं लेकिन वे बेहद मेहनती, चौकस और चतुर हैं। मुझे लगता है कि जो अभिनेता हर समय बात करने से ज्यादा सुनते और अब्सॉर्ब करते हैं, वे ऐसे अभिनेता हैं जो वास्तव में इंटेंसिटी और इमोशन्स को सबसे अच्छे तरीके से व्यक्त करते हैं।

अहान ने मुझे युवा अजय देवगन की याद दिला दी, सुलगती हुई आंखें, इमोशन्स का थोड़ा सा अंडरप्ले लेकिन फिर भी उन्हें खूबसूरती से व्यक्त किया। अहान एक संवेदनशील अभिनेता हैं और सहज रूप से प्रतिक्रिया देते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई तरीका है, सिवाय इसके कि वह क्या महसूस करते है। उन्होंने रिलेवेंट सवाल भी पूछे। एक बात जो मुझे उबके बारे में बहुत नई और ताज़ा लगी, वह यह थी कि वह कभी मॉनिटर देखने नहीं आए। बहुत सारे अभिनेता विशेष रूप से अपने करियर की शुरुआत में यह देखना चाहते हैं कि वे कैसे दिखते हैं या शॉट कैसा दिखता है और क्या वे एक और टेक करना चाहते हैं।

मिलन ने कहा, एक दो बार मैंने अहान को बुलाया और उनसे मॉनिटर देखने और शॉट देखने के लिए कहा, उसके अलावा वे कभी देखने नहीं आए। वह अपने काम में बहुत अधिक मेंटल एनर्जी डालते है, पैक-अप के बाद पूरी तरह से अपने में रहते है और फ़ुटबॉल देखकर या प्ले स्टेशन पर खेलकर अपने स्पेस में पहुंच जाते है।

अहान शेट्टी और तारा सुतारिया अभिनीत, फॉक्स स्टार स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और सह-निर्मित, साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, रजत अरोड़ा द्वारा लिखित व मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन 'तड़प' 3 दिसंबर 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृषि कानूनों को निरस्त करने का निर्णय किसानों की ऐतिहासिक जीत: अभिनेता कार्थी

तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले का स्वागत करते हुए अभिनेता कार्थी ने शुक्रवार को कहा कि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा ने साधारण किसानों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत का संकेत दिया है। तमिल में अभिनेता कार्थी ने ट्विटर पर लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा कि सरकार तीन कृषि कानूनों को निरस्त करेगी, किसानों के साल भर के अथक संघर्ष की ऐतिहासिक जीत है। अभिनेता ने सरकार और किसानों दोनों को धन्यवाद दिया। जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने वाले किसानों के प्रति अपने प्यार का इजहार किया, वहीं उन्होंने इस मुद्दे को समझने के लिए सरकार के प्रति प्यार और आभार व्यक्त किया। अभिनेता सूर्या के छोटे भाई कार्थी हमेशा किसानों के अधिकारों के मुखर समर्थक रहे हैं। सूर्या के आगराम फाउंडेशन ने जहां कई वंचित बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद की है, वहीं कार्थी का उझावन फाउंडेशन तमिलनाडु में संघर्षरत किसानों की मदद कर रहा है।

अब श्रद्धा कपूर के साथ रोमांस करेंगे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर एक ऐसे अभिनेता हैं जो बहुत कम फिल्में करते हैं लेकिन उनकी अधिकतर फिल्में सुपरहित होती हैं। लंबे समय से एक्टर पर्दे पर दिखायी नहीं दिए हैं लेकिन आने वाले समय में लगातार कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। रणबीर कपूर की कई फिल्में कतार में हैं शादी के बाद वह सभी फिल्मों पर एक के बाद एक करके काम करना शुरू करेंगे। रणबीर कपूर को लेकर ताजा अपडेट यह है कि वह श्रद्धा कपूर के साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं।

फिल्म के नाम की अभी घोषणा नहीं हुई है लेकिन फिल्म का निर्देशन लव रंजन कर रहे हैं। यानी कि लव रंजन की फिल्म में श्रद्धा कपूर और रणबीर कपूर साथ नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने अब रोमांटिक कॉमेडी की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म अगले साल यानी 26 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हो चुकी है। जबकि फिल्म की घोषणा दिसंबर 2019 में की गई थी कोरोनवायरस महामारी के कारण शूटिंग और इसकी रिलीज स्थगित होती रही। अब रणबीर और श्रद्धा-स्टारर 26 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में उतरेगी। तरण आदर्श ने ट्विटर पर फिल्म की नई रिलीज की तारीख साझा की। उन्होंने लिखा, 卐रणबीर-श्रद्धा की फिल्म गणतंत्र दिवस 2023 पर रिलीज के लिए फाइनल। लवरंजन की अगली फिल्म - जिसका शीर्षक अभी नहीं है - 26 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। गणतंत्र दिवस... सितारे रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर लव रंजन और अंकुर गर्ग। भूषण कुमार प्रस्तुति।

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अपकमिंग फिल्म में पहली बार एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। लव रंजन के साथ भी यह उनका पहला प्रोजेक्ट है। फिल्म निर्माता बोनी कपूर रोमांटिक कॉमेडी में रणबीर के पिता की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जो बॉलीवुड में एक अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत करेंगे। वहीं डिंपल कपाड़िया रणबीर की मां का किरदार निभाती नजर आएंगी। रोमांटिक कॉमेडी लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित है।

इंडोनेशिया के केंद्रीय बैंक ने 3.5 प्रतिशत पर बेंचमार्क ब्याज दर रखी

जकार्ता।

इंडोनेशिया के केंद्रीय बैंक ने बेंचमार्क ब्याज दर 3.5 फीसदी पर बनाए रखने का फैसला किया है। बैंक इंडोनेशिया के गवर्नर पेरी वारजियो ने एक आभासी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह निर्णय निम्न मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों के बीच विनिमय दर और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता के अनुरूप है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया, इसी तरह जमा सुविधा की ब्याज दर 2.75 प्रतिशत और ऋण सुविधा की ब्याज दर 4.25 प्रतिशत पर बनी हुई है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि 2022 में दक्षिण पूर्व एशियाई देश की आर्थिक वृद्धि में सुधार होगा क्योंकि कोरोना टीकाकरण के त्वरण और विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों की वसूली के बाद गतिशीलता बढ़ रही है। वारजियो ने कहा कि बैंक इंडोनेशिया मैक्रोइकॉनॉमिक और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ आगे के आर्थिक सुधार के प्रयासों का समर्थन करने के लिए सभी नीतियों का अनुकूलन करना जारी रखेगा।

डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे वापस खरीदेगी 135 करोड़ के इसॉप

नई दिल्ली।

डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे ने 135 करोड़ रुपए के कर्मचारी शेयर विकल्प (ईसॉप) की पुनर्खरीद की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पुनर्खरीद का विकल्प कर्मचारियों को वरिष्ठता के आधार पर तीन स्तरीय मॉडल के तहत अमल में लाया जाएगा। कंपनी के संस्थापक पुनर्खरीद में भाग नहीं लेंगे जबकि शीर्ष नेतृत्व अपने निहित शेयरों का 10 प्रतिशत तक बेच सकता है। वहीं अन्य मौजूदा कर्मचारी अपने शेयरों का 25 प्रतिशत तक बेच सकते हैं। फोनपे के मानव संसाधन प्रमुख मनमीत संधू ने कहा हमने पिछले वर्ष दिसंबर में अपने सभी कर्मचारियों के लिए इसॉप योजना शुरू की थी और अपने 00 प्रतिशत कर्मचारियों को इस योजना के तहत शेयर जारी किए थे। इस अवधि को अगले महीने पूरा एक साल हो जाएगा, इसलिए यह सभी को कुछ तरलता प्रदान करने का एक अच्छा समय है।÷ वर्तमान में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 2,500 है। फोनपे ने पिछले वर्ष दिसंबर में अपने सभी 2,200 कर्मचारियों को 1,500 करोड़ रुपये के ईसॉप जारी किये थे।

सस्तासुंदर में बड़ी हिस्सेदारी खरीदेगी वालमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट

नई दिल्ली।

वालमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट कोलकाता स्थित कंपनी सस्तासुंदर की अधिकांश हिस्सेदारी खरीदेगी। सस्तासुंदर ऑनलाइन फार्मेसी एवं डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल मंच सस्तासुंदरडॉटकॉम का संचालित करती है। फ्लिपकार्ट ने अधिग्रहण समझौते की रकम का खुलासा किए बिना शुक्रवार को कहा कि वह इस समझौते के साथ वह स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में प्रवेश करेगी और फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस मंच शुरू करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा हमने सस्तासुंदर में अधिकांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। सस्तासुंदर ऑनलइन मंच सस्तासुन्दरडॉटकॉम का संचालन करती है, जो एक डिजिटल फार्मेसी मंच है। कंपनी ने कहा कि वह फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस मंच शुरू करेगी, जिसको फ्लिपकार्ट समूह की संयुक्त ताकत का लाभ मिलेगा। फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस लाखों भारतीय उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का प्रयास करेगा। सस्तासुंदर की स्थापना 2013 में बी एल मित्तल और रविकांत शर्मा ने की थी।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने अगले वित्त वर्ष में 7-7.5 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद जताई

न्यूज एजेंसी,नई दिल्ली

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) का मानना है कि अगले वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7 से 7.5 प्रतिशत के बीच रहेगी। अगले वित्त वर्ष में संपर्क-सघन और निर्माण क्षेत्रों की स्थिति सुधरने की भी उम्मीद जताई गई है। ईएसी-पीएम ने बृहस्पतिवार को अपने एक बयान में कहा कि अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर अच्छी रहने की संभावना का यह मतलब नहीं है कि 2022-23 के आम बजट में ऐसे ऊंचे कर राजस्व का अनुमान लगाया जाए, जिसे हासिल कर पाना संभव नहीं है। बयान के मुताबिक, 2021-22 के आगे देखने पर ईएसी-पीएम के सदस्य 2022-23 में वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशान्वित हैं। आधार प्रभाव के अलावा संपर्क-सघन तथा निर्माण क्षेत्रों की स्थिति भी अगले वित्त वर्ष में सुधरेगी।भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। पहले केंद्रीय बैंक ने 10.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का अनुमान है कि 2021 में भारत वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत और अगले साल 8.5 प्रतिशत रहेगी। बयान में कहा गया है, ''एक बार क्षमता इस्तेमाल में सुधार से निजी निवेश की स्थिति

भी बेहतर होगी। ऐसे में हमारे सदस्यों का मानना है कि 2022-23 में वास्तविक वृद्धि 7 से 7.5 प्रतिशत के बीच रहेगी।'' ईएसी-पीएम की बृहस्पतिवार को हुई बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि निजीकरण के लिए भी एक स्पष्ट रूपरेखा होनी चाहिए।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार : सिंधिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है। विंग्स इंडिया, 2022 के पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि भारत इस समय अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा घरेलू यातायात संभालने वाला देश है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि इस घनी भूमंडलीकृत अर्थव्यवस्था में, हवाई परिवहन देश के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक प्रमुख तत्व है और देश के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्री ने कहा कि वित्तवर्ष 2012 की पहली दो तिमाहियों के दौरान देश के हवाईअड्डों द्वारा संभाला गया कुल माल पहली तिमाही में गंभीर दूसरी लहर की चपेट में आने के बावजूद पूर्व-महामारी स्तर के 80 प्रतिशत (वित्तवर्ष 2022 में अप्रैल-सितंबर के दौरान 15.36 लाख मीट्रिक टन) से अधिक हो गया है। हैदराबाद में आयोजित होने वाला विंग्स इंडिया, 2022 नागरिक उड्डयन पर एशिया का सबसे बड़ा आयोजन होगा।

जापान की कमजोर अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए प्रोत्साहन पैकेज का ऐलान

न्यूज एजेंसी,नई दिल्ली.

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को संकट से बाहर निकालने के लिए शुक्रवार को रिकॉर्ड 490 अरब डॉलर (56 ट्रिलियन येन) के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की। प्रस्ताव में लोगों को नकद सहायता और बुरी तरह से प्रभावित व्यवसायों को आर्थिक सहायता प्रदान करना शामिल है। प्रधानमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, %%पैकेज में लोगों में सुरक्षा और आशा की भावना जगाने के लिए पर्याप्त धन का प्रावधान किया गया है।%% किशिदा के प्रस्ताव को बाद में कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा गया, हालांकि इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी की भी आवश्यकता होगी। बहरहाल, किशिदा ने त्वरित कार्रवाई का वादा किया है और संसद की बैठक अगले महीने बुलाए जाने की संभावना है। किशिदा ने कहा कि योजना में लोगों को मौद्रिक सहायता के रूप में 100,000 येन (880 डॉलर) देने और प्रभावित व्यवसायों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

दूरसंचार मंत्रालय ने सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन लेनदेन में तेजी से वृद्धि के साथ दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सुरक्षित और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक सलाह जारी की है।

बढ़ते ऑनलाइन लेनदेन के साथ धोखेबाजों के जाल में पड़ने का जोखिम अंतिम उपयोगकर्ता के लिए चिंता का एक प्रमुख कारण बन गया है। निवारक उपाय के रूप में परामर्श का उद्देश्य नागरिकों को किसी के द्वारा साझा किए गए किसी भी क्यूआर कोड को स्कैन नहीं करने के लिए कहकर जागरूक करना है, जब तक कि उद्देश्य भुगतान करना न हो। एडवाइजरी में कहा गया है, किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले सोचें, क्योंकि बैंक कभी भी केवाईसी अपडेट करने के लिए लिंक नहीं भेजते हैं। ओटीपी, सीवीवी, पिन जैसे गोपनीय डेटा को बैंक अधिकारियों सहित किसी के साथ साझा न करें। सलाहकार ने नागरिकों से अपने उपकरणों पर कोई रिमोट एक्सेस एप्लिकेशन इंस्टॉल नहीं करने का भी आग्रह किया। एडवाइजरी में कहा गया है, जब भी किसी भी रूप में अग्रिम राशि या पैसा मांगा जाए तो अतिरिक्त सावधानी बरतें और व्यक्ति या कंपनी की साख को सत्यापित करें। संभावित ऑनलाइन धोखाधड़ी से दूर रहने के लिए केंद्र ने परामर्श के माध्यम से लोगों से व्यक्तिगत जानकारी,

जैसे संपर्क नंबर और संवेदनशील बैंकिंग विवरण किसी के साथ साझा न करने के लिए भी कहा। केंद्र ने लोगों से मोबाइल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण और संवेदनशील जानकारी और पासवर्ड को स्टोर न करने और यदि आवश्यक हो, तो किसी प्रकार के एन्क्रिप्शन का उपयोग करने का आग्रह किया। यह भी कहा गया कि पोर्न, जुआ जैसी संदिग्ध वेबसाइटों पर न जाएं, जो आपके फोन को कमजोर बना सकती हैं और इससे जबरन वसूली, वित्तीय नुकसान हो सकता है। एडवाइजरी में लोगों से अज्ञात वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करने से बचने का भी आग्रह किया गया है। साथ ही कहा गया है, ऐसे नेटवर्क का इस्तेमाल करके वित्तीय लेनदेन न करें।

गोयल ने कपास व्यापारियों को जमाखोरी, कीमतों में हेराफेरी से बचने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कपास गांठ के व्यापारियों को कीमतों में हेरफेर से बचने या अनुचित लाभ कमाने के लिए जमाखोरी का सहारा लेने के प्रति आगाह किया। एक बैठक में कपड़ा उद्योग की कंपनियों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे ''कपास मूल्य निर्धारण के मुद्दे को प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग की भावना से हल करने'' के लिए कहा। कपड़ा, वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामलों और खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री ने कपड़ा उद्योग की अग्रणी कंपनियों से कहा कि वे सरकार पर हस्तक्षेप करने के लिए दबाव न डालें। एक सरकारी बयान के अनुसार, ''गोयल ने कपास गांठों के व्यापारियों को कीमतों में हेराफेरी करने या जमाखोरी करने के प्रति सावधान किया।'' मंत्री ने आगे कहा कि विनिर्माण क्षेत्रों को विकास के लिए सरकारी समर्थन पर निर्भर नहीं होना चाहिए। बयान में कहा गया है, ''इस क्षेत्र के मजबूत विकास के लिए राज्य के समर्थन पर बहुत अधिक निर्भरता ठीक नहीं है।'' उन्होंने कहा कि पहली बार किसानों के हितों का ध्यान रखा जा रहा है क्योंकि उन्हें अब अच्छे आधार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के साथ कपास की बेहतर कीमतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि कपास की गांठ और धागे के मूल्य निर्धारण के मुद्दे से किसी भी तरह से किसानों को मिल रहा बेहतर मूल्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। भारत में कपास का उत्पादन 362.18 लाख गांठ होने का अनुमान है। कपास सत्र 2021-22 की शुरुआत अक्टूबर से 73.20 लाख गांठ के अनुमानित पिछले साल के बचे हुए स्टॉक के साथ हुई थी। देश में शुरुआती स्टॉक करीब ढाई महीने की मिलों की खपत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। बयान में कहा गया है, ''कपास की कीमतें एमएसपी स्तर से लगभग 40 प्रतिशत अधिक चल रही हैं जो 8,500 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 6,025 रुपए प्रति क्विंटल है।

क्रिप्टोकरेंसी को कर के दायरे में लाने के लिए आयकर कानून में बदलाव पर विचार: राजस्व सचिव

नई दिल्ली:

सरकार क्रिप्टोकरेंसी को कर दायरे में लाने के लिए आयकर कानूनों में बदलाव पर विचार कर रही है। इनमें से कुछ बदलाव अगले साल के बजट का हिस्सा हो सकते हैं। राजस्व सचिव तरुण बजाज ने कहा कि आयकर के संदर्भ में कुछ लोग पहले से ही क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर पूंजीगत लाभ कर का भुगतान कर रहे हैं और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में भी कानून ''बहुत स्पष्ट'' है कि दर अन्य सेवाओं की तरह लागू होगी। बजाज ने बताया, ''हम निर्णय लेंगे। मैं समझता हूं कि पहले से ही लोग इस पर कर चुका रहे हैं। अब जब यह वास्तव में बहुत बढ़ गया है, तो हम देखेंगे कि क्या कानून की स्थिति में कुछ बदलाव ला सकते हैं या नहीं। लेकिन यह एक बजट की गतिविधि होगी। हम पहले से ही बजट के करीब हैं, हमें उस समय को देखना होगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या क्रिप्टो ट्रेडिंग के लिए स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) का प्रावधान पेश किया जा सकता है, सचिव ने कहा, ''अगर हम एक नया कानून लेकर आते हैं, तो हम देखेंगे कि क्या किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, 'लेकिन हां, अगर आप पैसा कमाते हैं तो आपको कर देना होगा हमारे पास पहले से ही कुछ कर हैं, कुछ ने इसे एक संपत्ति के रूप में माना है और इस पर पूंजीगत लाभ कर का भुगतान किया है।'

विदेश में तेजी, शादी-ब्याह की मांग से लगभग सभी तेल-तिलहनों में सुधार

न्यूज एजेंसी, नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में तेजी के रुख तथा देश में शादी-विवाह तथा जाड़े के मौसम की मांग बढ़ने के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बृहस्पतिवार को सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन, बिनौला, सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतें लाभ के साथ बंद हुईं। मूंगफली के खल की मांग बढ़ने से मूंगफली दाना में सुधार देखने को मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि जाड़े के मौसम में हल्के तेलों की मांग बढ़ने, शादी-विवाह के सीजन और विदेशी बाजारों में तेजी का रुख होने से लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव लाभ के साथ बंद हुए। विदेशी बाजारों में पॉल्ट्री कंपनियों की मूंगफली के तेल रहित खल (डीओसी) की मांग बढ़ने से मूंगफली दाना में सुधार आया जबकि सोयाबीन के डीओसी की मांग बढ़ने से सोयाबीन दाना एवं लूज के भाव भी सुधार के साथ बंद हुए।उन्होंने कहा कि मलेशिया एक्सचेंज में दो प्रतिशत की तेजी है जबकि शिकॉगो एक्सचेंज में फिलहाल आधा प्रतिशत की तेजी है। उन्होंने कहा कि मलेशिया एक्सचेंज में तेजी होने के कारण सीपीओ और पामोलीन तेलों के भाव लाभ के साथ बंद हुए। इसी तरह शिकॉगो एक्सचेंज में तेजी की वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में सुधार आया। किसान कम भाव में सोयाबीन बेचने से कतरा रहे हैं क्योंकि उनकी लागत नहीं निकल पा रही है। हल्का तेल होने की वजह बिनौला की मांग बढ़ने से बिनौला तेल कीमत में भी सुधार देखने को मिला। सरसों की खुदरा कारोबारियों की मांग बढ़ने के बीच जयपुर में सरसों का भाव 30 रुपये बढ़ाकर 9,055-9,085 रुपये क्विंटल (अधिभार समेत) कर दिया गया जिससे सरसों तेल-तिलहनों के भाव मजबूत हो गये। सूत्रों ने कहा कि जाड़े तथा शादी-विवाह के सीजन में सरसों की मांग बढ़ रही है और इसकी उपलब्धता कम हो रही है। उन्होंने कहा कि देशभर की मंडियों में सरसों की आवक डेढ़ लाख बोरी से घटकर 1.35 लाख बोरी रह गई है।

सूत्रों ने कहा कि सरकार को आयात शुल्क कम-ज्यादा करने के बजाय गरीब उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से उन्हें सरसों और सोयाबीन तेल उपलब्ध कराना चाहिए, जैसा कि हरियाणा और हिमाचल प्रदेश द्वारा किया जा रहा था।

क्लब हाउस ने आईओएस यूजर्स के लिए लाइव कैप्शन जारी किया

सैन फ्रांसिस्को।

लोकप्रिय ऑडियो चैट ऐप क्लबहाउस ने आईओएस यूजर्स के लिए क्लोज्ड कैप्शनिंग रोल आउट करना शुरू कर दिया है। टेकक्रंच के मुताबिक, लाइव ऑडियो ऐप से यह जरूरी एक्सेसिबिलिटी फीचर लंबे समय से छूटा हुआ है। इन लाइव ट्रांसक्रिप्शन के बिना, जो पहले से ही ट्विटर स्पेस जैसे प्रतियोगियों के लिए आदर्श थे, क्लबहाउस ने खुद को उन लोगों के लिए अनुपयोगी बना दिया था जो बहरे हैं या सुनने में दिक्कत होती है। अब, क्लब हाउस व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकता है। एक उपयोगकर्ता ने ट्विटर पर बताया कि स्पैनिश लाइव कैप्शनिंग ने एक कमरे में काम किया, लेकिन दूसरे में, स्पैनिश भाषण को अंग्रेजी अस्पष्ट के रूप में स्थानांतरित किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लबहाउस के एक इंजीनियर ने जवाब दिया कि इसका मतलब है कि भाषा का पता लगाने ने काम नहीं किया है, इसलिए ऐसा लगता है कि ऐप अभी भी सीख रहा है कि बीटा में गैर-अंग्रेजी भाषाओं में कैसे अंतर किया जाए। क्लबहाउस ने हाल ही में वेव जैसी कई सुविधाएं शुरू की हैं, जिससे मित्र के साथ बातचीत शुरू करना आसान हो जाता है। अतुल्यकालिक सुनने और रिकॉर्ड किए गए कमरों के लिए फिर से खेलना आसान हो जाता है। रिकॉर्ड किए गए कमरे ऐप को कॉलिन और स्पेस पॉड जैसे स्टार्टअप के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद करते हैं, जो

रचनाकारों को लाइव ऑडियो रिकॉर्डिंग को व्यापक रूप से वितरित पॉडकास्ट में बदलने में मदद करना चाहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, लेकिन लाइव कैप्शनिंग ऐप की लोकप्रियता के शुरुआती मुकाबले के बाद से एक स्पष्ट चूक रही है।

IPO: बड़े निवेशक तुरंत नहीं बेच पाएंगे शेयर, SEBI ने जारी किया मसौदा

न्यूज एजेंसी,नई दिल्ली

छोटे निवेशकों की बाजार में बढ़ती हिस्सेदारी और तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए बाजार नियामक सेबी ने उनके हितों की सुरक्षा के लिए नियम सख्त करने का मसौदा जारी किया है। इसके मुताबिक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ के नियम और सख्त किए जाएंगे और बड़े एवं संस्थागत निवेशकों को जल्द राशि निकालकर तेज-उतार चढ़ाव करने की इजाजत नहीं मिलेगी। बाजार नियामक ने मसौदा प्रस्ताव पर 30 नवंबर तक इसपर सार्वजनिक राय मांगी है। इसके मुताबिक आईपीओ से पैसा जुटाने वाली कंपनियों को पूरी राशि के खर्च का हिसाब देना होगा और मनमानी खर्च की छूट नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले दो साल में आईपीओ में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी बहुत तेजी से बढ़ी है। लेकिन बड़े निवेशक आईपीओ में निवेश करने के कुछ दिन बाद राशि निकालकर बाहर हो जाते हैं जिससे उस शेयर में तेज गिरावट आती है। इससे छोटे निवेशकों को नुकसान की आशंका रहती है। इसी के मद्देनजर सेबी ने यह फैसला किया है।

कंपनियों को खर्च की छूट नहीं

बाजार नियामक सेबी ने जो मसौदा जारी किया है उसके मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई राशि का 35 फीसदी से अधिक खर्च अधिग्रहण और गैर-प्रस्तावित (ऑर्गेनिक) मद में नहीं कर पाएंगी।

सेबी को ऐसी सूचना मिली है कि कंपनियां मौजूदा समय में नियम स्पष्ट नहीं होने से इसका गलत लाभ उठा रहीं हैं। आईपीओ लाने के पहले कंपनियों को सेबी के पास दस्तावेज जमा करने होते हैं जिनमें जुटाई गई राशि को हर मद में खर्च करने का ब्यौरा होता है।

रेनो क्विड ने भारत में 4,00,000 वाहनों की बिक्री के आंकड़े को पार किया

विगत 10 वर्षों से भारत में अपने कारोबार का संचालन करने वाले रेनो ने आज देहरादून, उत्तराखंड में अपने 4,00,000वें ग्राहक को बिल्कुल नए एवं आकर्षक, बेहद इनोवेटिव और किफायती गेम-चेंजर रेनो क्विड की चाबियां सौंपीं। इस उपलब्धि के साथ, रेनो क्विड ने भारत में 4 लाख कारों की बिक्री का कीर्तिमान स्थापित किया है, जो भारत में छोटी कारों के सेगमेंट में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला वाहन साबित हुआ है।

रेनो क्विड 0.8L और 1.0L SCe पावरट्रेन, दोनों श्रेणियों में मैनुअल और AMT विकल्पों के साथ RXE, RXL, RXT और क्लाइंबर वेरिएंट सहित 9 ट्रिम्स में उपलब्ध है, जिसने पूरे देश में रेनो ब्रांड के विकास में बेहद अहम भूमिका निभाई है। रेनो क्विड का डिजाइन स्कू से प्रेरित है, जो इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ 20.32 cm के टचस्क्रीन मीडियानैव (MediaNav) इवोल्यूशन, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले, फ्लोर कंसोल पर व्यवस्थित रूज्ञ डायल जैसी सुविधाओं से सुसज्जित है, जो ड्राइविंग को बेहद आसान बना देते हैं।

रेनो अपने बेमिसाल प्रोडक्ट इनोवेशन के साथ क्विड की सफलता को निरंतर आगे बढ़ाने के अपने वादे पर पूरी तरह खरा उतरा है। रेनो इंडिया ने अपनी 10वीं वर्षगांठ समारोह के एक हिस्से के रूप में, हाल ही में बिल्कुल नए क्विड MY21 को लॉन्च किया है। MY21 कारों की रेंज भारत में लागू सभी सुरक्षा नियमों का अनुपालन करती है, और इस वाहन के सभी वेरिएंट में स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर दो फ्रंट-एयरबैग्स की सुरक्षा उपलब्ध है। कार की खूबसूरती में चार चांद लगाते हुए, नया क्विड MY21 क्लाइंबर एडिशन ब्लैक रूफ के साथ व्हाइट कलर कॉम्बिनेशन में डुअल-टोन एक्सटीरियर में भी उपलब्ध हैं, साथ ही इसमें इलेक्ट्रिक ORVM और डे एंड नाइट IRVM जैसे नए फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, सामने वाली सीट पर ड्राइवर की तरफ पायरोटेक और प्रीटेंशनर की सुविधाएं भी मौजूद हैं, जो वाहन की सुरक्षा को कई गुना बढ़ा देते हैं।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिपः भारत ने सात पदक जीतकर अभियान किया समाप्त

ढाका। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप 2021 में भारत ने सात पदक जीतकर अपने अभियान को समाप्त किया। यहां शुक्रवार को रिकर्व महिला और पुरुष टीमों ने रजत पदक जीता, क्योंकि दोनों टीमें कोरियाई से अपने-अपने फाइनल हार गईं। महिला रिकर्व फाइनल में कोरिया की रयू सु जंग, ओह येजिन और लिम हेजिन ने अंकिता भक्त, रिधि फोर और मधु वेदवान की भारतीय तिकड़ी को 6-0 से हराया, जबकि पुरुषों के फाइनल में कोरियाई तिकड़ी लियो सेउंग्युन की, किम पिल-जोंग और हान वू टाक ने प्रवीण जाधव, पार्थ सालुंखे और कपिल को 6-2 से मात दी। कांस्य पदक मैच में अंकिता भक्त और कपिल की मिश्रित रिकर्व टीम ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ 6-0 से जीत हासिल की। इससे पहले, ज्योति सुरेखा वेन्नम ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत में स्वर्ण पदक जीता, जबकि 2017 एशियाई चैंपियन अभिषेक वर्मा ने पुरुषों की स्पर्धा में रजत पदक जीता।

डिविलियर्स ने क्रिकेट से संन्यास लिया

आईपीएल सहित किभी भी लीग में नहीं खेलेंगे

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अब डिविलियर्स आईपीएल के साथ ही किसी भी अन्य लीग में भी नहीं खेलेंगे। डिविलियर्स आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के प्रमख बल्लेबाज थे। इस आक्रामक बल्लेबाज ने तीन साल पहले 2018 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद भी वह विश्व कप की टी20 लीग में खेलते रहे हैं। डिविलियर्स के संन्यास पर आरसीबी ने ट्वीट किया, इसी के साथ ही एक युग का अंत! आपके जैसा कोई नहीं है, एबी हम आपकी कमी महसूस करेंगे , प्रशंसकों और सामान्य रूप से क्रिकेट प्रेमियों को जो कुछ आपने दिया है, उसके लिए धन्यवाद एबी रिटायरमेंट की बधाई हो, लीजेंड!

वहीं डिविलियर्स ने कहा, यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, लेकिन मैंने सभी प्रकार के क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। जब से मैंने बड़े भाइयों के बैकयार्ड में क्रिकेट खेलना शुरू किया, मैंने इस खेल को पूरे आनंद और उत्साह के साथ खेला है। अब, 37 साल की उम्र में, वह जुनून नहीं रहता है। उन्होंने कहा, यही वास्तविकता है, जिसे मुझे स्वीकार करना चाहिए आज भले ही यह अचानक लग सकता है, इसलिए मैं यह घोषणा कर पा रहा हूं। मेरे पास मेरा समय है. क्रिकेट मेरे लिए असाधारण रूप से दयालु रहा है। मैं हर टीम के साथी, हर प्रतिद्वंद्वी, हर कोच, हर फिजियो और हर स्टाफ सदस्य को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने एक ही रास्ते पर मेरे साथ यात्रा की है, और मुझे दक्षिण अफ्रीका में, भारत में, जहां भी मैंने खेला है, मुझे मिले समर्थन से विनम्र हूं।

उन्होंने साथ ही कहा, अंत में, मुझे पता है कि मेरे माता-पिता, मेरे भाई, मेरी पत्नी डेनिएल और मेरे बच्चों के बलिदान के बिना यह सब संभव नहीं होता। मैं अपने जीवन के अगले अध्याय की प्रतीक्षा कर रहा हूं जब मैं वास्तव में उन्हें पहले स्थान पर रख सकूंगा। डिविलियर्स ने आगे कहा, मैं जीवन भर के लिए आरसीबियन बनने जा रहा हूं। आरसीबी के सेट-अप में हर एक व्यक्ति मेरे लिए परिवार बन गया है। लोग आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन आरसीबी में एक-दूसरे के लिए जो भावना और प्यार है, वह हमेशा बना रहेगा। मैं अब आधा भारतीय हो गया हूं और मुझे इस पर गर्व है।

पीवी सिंधू इंडोनेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंची

बाली । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने तुर्की की नेसलिहान यिजिट को सीधे गेम में हराकर इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मौजूदा विश्व चैम्पियन और तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने गैर वरीय प्रतिद्वंद्वी पर 21.13, 21.10 से जीत दर्ज की। अब उनका यिजिट के खिलाफ रिकॉर्ड 4.0 का हो गया है। पिछले महीने डेनमार्क ओपन में भी सिंधू ने तुर्की की इस खिलाड़ी को हराया था। अब तक सिंधू को आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं लेकिन अब कठिन मुकाबले शुरू होंगे। उनका सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की अकाने यामागुची और पांचवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। भारत के किदाम्बी श्रीकांत और एच एस प्रणय पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में आमने सामने होंगे।

पैरालंपिक में भाग लेना चाहती है 'ब्लेड रनर' शालिनी

बेंगलुरु। दिव्यांग शालिनी सरस्वती एक 'ब्लेड रनर' हैं और उन्होंने बिना हाथ पैरों के ही मैराथन रेस में भाग लिया है अब उनका लक्ष्य पैरालंपिक में भाग लेना है। शालिनी अपने को साबित करने रनिंग ब्लेड पर दौड़ने का अभ्यास करती रहीं हैं। उन्होंने कोच बीपी अयप्पा के तहत अपना प्रशिक्षण शुरू किया है। वह हर दिन 90 मिनट चलने का अभ्यास करती थीं। प्रशिक्षण सत्र उसके लिए वास्तव में कठिन हुआ करता था पर शालिनी ने यह सब पूरा किया था। दो साल के कठोर प्रशिक्षण के बाद शालिनी बैंगलोर में टीसीएस वर्ल्ड 10 किलोमीटर दौड़ में हाफ मैराथन में सफल रहीं। शालिनी का कहना है कि मेरे कोच अयप्पा मुझे कभी दिव्यांग नहीं समझते और हमेशा प्रेरित करते हैं। बेंगलुरु मैराथन के लिए शालिनी ने एक जर्मनी कंपनी से 10 लाख रुपए के लोन पर रनिंग ब्लेड खरीदे हैं। शालिनी का लक्ष्य अब पैरालंपिक में भाग लेना है। शालिनी जब तक संभव हो दौड़ना जारी रखना चाहती है, क्योंकि इससे उसे स्वतंत्रता का अहसास होता है और वह इसके माध्यम से अपने जैसे कई अन्य लोगों को प्रेरित कर सकती हैं। वह आपके शरीर में सुंदरता और आत्मविश्वास महसूस करने में भी विश्वास करती है। वह आप जैसे हैं, वैसे ही रहने और उन सभी लड़कियों को खुद से प्यार करने का संदेश देती हैं।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में सविता भारतीय हॉकी टीम की कप्तान, रानी को आराम

नई दिल्ली। कप्तान रानी रामपाल को अगले महीने होने वाली महिला हॉकी एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए आराम दिया गया है और गोलकीपर सविता पूनिया 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान संभालेंगी। टूर्नामेंट दक्षिण कोरिया के डोंगाइ में पांच से 12 दिसंबर तक खेला जाएगा। भारत को पहले ही दिन अभियान की शुरूआत करनी है। टूर्नामेंट में चीन, कोरिया, जापान, थाईलैंड, मलेशिया भी भाग ले रहे हैं। इस साल एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई सविता टूर्नामेंट में कप्तानी करेंगी। डिफेंडर दीप ग्रेस इक्का उपकप्तान होगी। टोक्यो ओलंपिक खेलने वाली फॉरवर्ड लालरेम्सियामी और शर्मिला देवी और मिडफील्डर सलीमा टेटे भी टीम में नहीं हैं। ये तीनों जूनियर टीम का हिस्सा हैं जो पांच दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में एफआईएच विश्व कप खेलेगी। नमिता टोप्पो और लिलिमा मिंज टीम में शामिल है। फॉरवर्ड पंक्ति की कमान दो बार की ओलंपियन वंदना कटारिया और नवनीत कौर संभालेंगी। उनके साथ राजविंदर कौर, मरियाना कुजुर और सोनिका टीम में हैं । मिडफील्ड में सुशीला चानू, पुखराम्बम, निशा, मोनिका , नेहा और ज्योति हैं। नवजोत कौर और सुमन देवी वैकल्पिक खिलाड़ी हैं और 18 सदस्यीय टीम में से किसी के चोटिल होने या कोरोना संक्रमित होने पर उन्हें मौका मिलेगा। टीम के बारे में मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने और सीनियर खिलाड़ियों के जूनियर टीम से जुड़ने के बावजूद हमने महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अच्छी टीम चुनी है।' यह शॉपमैन का बतौर कोच पहला टूर्नामेंट होगा जो शोर्ड मारिन के कार्यकाल में टीम की विश्लेषण कोच रह चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'टोक्यो ओलंपिक के बाद काफी अपेक्षाएं हैं लेकिन हम नये सिरे से शुरू करेंगे। मुझे यकीन है कि अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने पर हम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब होंगे। भारत को पांच दिसंबर को थाईलैंड से और अगले दिन मलेशिया से खेलना है। इसके बाद आठ दिसंबर को गत चैम्पियन कोरिया का और फिर चीन तथा जापान का सामना करना है। फाइनल 12 दिसंबर को पूल की शीर्ष दो टीमों के बीच खेला जाएगा। भारत पिछली बार फाइनल में कोरिया से हार गया था।

संक्षिप्त समाचार

ज्वेरेव, जोकोविच और मेदवेदेव एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

तूरिन । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच, दूसरे नंबर के दानिल मेदवेदेव के बाद तीसरी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने हुबर्ट हुरकाज को 6.2, 6.4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब उनका सामना जोकोविच से होगा जो दूसरे ग्रुप में शीर्ष पर रहे। वहीं मेदवेदेव का सामना आंद्रे रूबलेव और कास्पर रूड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। ज्वेरेव इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन और अमरीकी ओपन में जोकोविच से हार चुके हैं लेकिन टोक्यो ओलंपिक में उन्हें हराया और बाद में स्वर्ण पदक जीता। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में जानिक सिनेर को 6.0, 6.7, 7.8 से हराया। ज्वेरेव की जीत के बाद हालांकि यह मैच औपचारिकता मात्र था।

डिविलियर्स के संन्यास पर कोहली बोले, हमारा संबंध हमेशा अच्छा बना रहेगा

नई दिल्ली। विराट कोहली ने एबी डिविलियर्स को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी किया है। डिविलियर्स ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही डिविलियर्स ने आरसीबी के साथ अपने एक दशक लंबे संबंध को समाप्त कर दिया। उन्होंने आईपीएल में 156 मैचों में 4,491 रन बनाए। वह विराट कोहली के बाद दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। आरसीबी में शामिल होने से पहले दिल्ली डेयरडेविल्स (इस समय दिल्ली कैपिटल्स) का प्रतिनिधित्व करने वाले डिविलियर्स ने 184 मैचों में 39.70 के औसत और 151.68 के स्ट्राइक रेट से 5,162 रन बनाकर छठे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अपना आईपीएल करियर समाप्त किया है। इसमें तीन शतक और 40 अर्धशतक भी शामिल हैं। इस पर कोहली ने ट्विटर पर लिखा, हमारे समय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सबसे प्रेरणादायक व्यक्ति रहे, जिनसे मैं मिला हूं। आपने जो आरसीबी के लिए किया है उस पर हमें बहुत गर्व है। हमारा संबंध खेल से परे है और हमेशा रहेगा। इस फैसले से थोड़ी परेशानी हुई है लेकिन मुझे पता है कि आपने हमेशा की तरह अपने और अपने परिवार के लिए सबसे अच्छा निर्णय लिया है।

टिम पेन के कप्तानी छोड़ने के फैसले पर ऑस्ट्रेलियाई क्रकेटर संघ निराश

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ (एसीए) ने टिम पेन का समर्थन करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह 'दुखद'' है कि इस विकेटकीपर ने टीम के टेस्ट कप्तान के रूप में 'इस्तीफा देने की जरूरत महसूस की।' पेन ने एक महिला सहकर्मी को अपनी अश्लील तस्वीर और भद्दे मैसेज भेजने पर खेद जताते हुए कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। यह मामला 2017 का है और जिसके बाद क्रिकेट आस्ट्रेलिया और क्रिकेट तस्मानिया की जांच में उन्हें क्लीन चिट मिली थी। एसीए ने अपने बयान में कहा, 'हम टिम पेन द्वारा लिए गए निर्णय का सम्मान करते है, लेकिन हमें निराशा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने की आवश्यकता महसूस हुई।' उन्होंने कहा, 'यह खेदजनक है। यह ऐसी गलती थी जो दो व्यक्तियों के बीच का आपसी मामला था। टिम ने 2018 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच में पूरा सहयोग किया था, जिसमें उन्हें दोषमुक्त कर दिया गया था।' एसीए ने कहा, 'टिम ने विनम्रतापूर्वक उस सम्मान की गरिमा बनाये रखी जो ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के पद के साथ आती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मुश्किल समय में अच्छी तरह से यह भूमिका निभाई।' उन्होंने कहा, 'टिम की कप्तानी को पूरे क्रिकेट जगत में ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन और खेल भावना के गौरव को बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के तौर पर देखा जाएगा। टिम ने हालांकि स्पष्ट रूप से गलती की है, लेकिन उन्हें एसीए का पूर्ण समर्थन मिलता रहेगा।' कप्तानी से हटने के बावजूद पेन चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

रिकी पोटिंग ने बताया- आखिर वह क्यों ऑस्ट्रेलिया और भारत के कोच नहीं बने

नई दिल्ली । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग'समय की प्रतिबद्धताओं' के कारण ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय टीमों के साथ कोच की भूमिका निभाने में सक्षम नहीं हैं। पोंटिंग ने कहा कि साल में 300 दिन घर से दूर रहना ऐसी चीज़ नहीं है जो मैं करूंगा। वह भी एक युवा परिवार के साथ। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि टी20 विश्व कप के बाद रवि शास्त्री के कार्यकाल की समाप्ति के बाद राहुल द्रविड़ के पदभार संभालने से पहले उनसे भारत के मुख्य कोच बनने के लिए संपर्क किया गया था। पोंटिंग ने कहा कि सच कहूं तो समय ही एकमात्र चीज़ है जो मुझे (वह नौकरी लेने से) रोक रहा है। मैं ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोच करना पसंद करूंगा लेकिन एक खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के दौरान मैं अपने परिवार से लंबे समय तक दूर रहा हूं। मेरा अब एक युवा परिवार है, एक सात साल का लड़का है, और मैं साल में 300 दिन उससे दूर नहीं रहूंगा। वहीं आईपीएल मेरे लिए बहुत अच्छा काम करता है। उन्हें खुश रखने और खेल के आसपास बनाए रखने के लिए पर्याप्त काम मिला है। इसके साथ-साथ वह परिवार के साथ पर्याप्त समय बिता सकते हैं। पोंटिंग ने यह भी कहा कि उन्होंने आईपीएल के दौरान भारत के कोच बनने के प्रस्ताव के बारे में 'कुछ बातचीत' की थी, लेकिन उन्हें 'ठीक उसी कारण' के लिए इसे अस्वीकार करना पड़ा। वह इस बात से भी 'हैरान' थे कि द्रविड़ ने यह पद संभाला, इसलिए क्योंकि उनके पास भी देखभाल करने के लिए एक युवा परिवार है। 'जिन लोगों से मैंने बात की, वे इस योजना को सफल बनाने का पूरा प्रयास कर रहे थे। सबसे पहले तो मैं उस समय को छोड़ नहीं सकता, साथ ही इसका मतलब यह होता कि मैं आईपीएल में कोच नहीं हो सकता। पोंटिंग ने यह भी पुष्टि की कि वह अगले आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के साथ बने रहेंगे, हालांकि उन्होंने अभी तक आधिकारिक तौर पर उनके साथ अपना अनुबंध नहीं बढ़ाया है। पिछले चार सत्रों से कैपिटल्स के मुख्य कोच के रूप में काम करने के बाद, उन्होंने कहा कि वह नए युवा खिलाड़ियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। मुझे जिन युवा खिलाड़ियों के साथ काम करने का मौक़ा मिला है उनमें से कुछ प्रतिभाशाली और अच्छे अच्छे लोग हैं।

बचपन के कोच मजूमदार बोले, ईशान का भी समय आयेगा

रांची । युवा क्रिकेटर ईशान किशन के बचपन के कोच उत्तम मजूमदार ने कहा है कि उसे 'हिट या मिस' खिलाड़ी नहीं समझना चाहिये। मजूमदार ने कहा कि जब समय आयेगा तो उसकी क्षमताएं भी अपने आप सामने आ जाएंगी। इससे पहले टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ विफलता के बाद ही ईशान को नाकाम क्रिकेटर नहीं मानना चाहिये। पूर्व कोच के अनुसार ईशान अगले कुछ वर्षों में भारत की सीमित ओवरों की टीम के एक अहम सदस्य बन सकते हैं। टी-20 विश्व कप के अपने शुरुआती मैच में पाकिस्तान के हाथों मिली हार के बाद भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने दूसरे मैच में रोहित शर्मा की जगह पर ईशान से पारी की शुरुआत करायी थी पर वह बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में जल्दी आउट हो गये थे। वहीं इसके बाद भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ईशान को 'हिट-या-मिस खिलाड़ी' बताया था। मजूमदार के अनुसार इस विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए अभी सब रास्ते खुले हुए हैं। साथ ही कहा कि ईशान छोटे प्रारुप का एक बेहतरीन खिलाड़ी है। वह पारी की शुरुआत करने के साथ ही फिनिशर की भूमिका भी निभा सकता है। इसके साथ ही उसका क्षेत्ररक्षण भी अच्छा है।

पुजारा पर नस्लीय टिप्पणी करने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी ने मांगी माफी

लंदन। समरसेट के तेज़ गेंदबाज़ जैक ब्रूक्स ने 2012 में नस्लवाद पर अपने दो पुराने ट्वीट पर माफ़ी मांगी है। इसी के साथ उन्होंने यॉकर्शायर के दिनों में भारतीय बल्लेबाज़ चेतेश्वर पुजारा को स्टीव नाम देने के लिए भी माफ़ी मांगी। ब्रूक्स इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ टाइमल मिल्स और स्टीवर्ट लॉडट के साथ भी ऑक्सफ़ोर्डशायर के लिए कुछ समय तक खेलते हुए नस्लवाद पर बातचीत करने में लिप्त थे। बुधवार को ही समरसेट ने आरोपों पर जांच करने की बात कही थी। क्लब ने गुरुवार को ब्रूक्स की टिप्पणियों को 'अस्वीकार्य' बताते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि उन्हें एक औपचारिक फटकार मिलेगी और उन्हें 'समानता, विविधता और समावेश पर व्यापक प्रशिक्षण' में भाग लेने की आवश्यकता होगी। 37 वर्षीय ब्रूक्स ने कहा कि उन्हें इस शब्द का इस्तेमाल करते हुए 'गहरा खेद' है और उन्होंने 'पूरे दिल से' माफ़ी मांगी है। ब्रूक्स ने कहा कि मैं स्वीकार करता हूं कि 2012 में मेरे द्वारा किए गए दो ट्वीट्स में इस्तेमाल की गई भाषा अस्वीकार्य थी और मुझे इसका इस्तेमाल करने का गहरा अफ़सोस है। मैं इन ट्वीट्स को देखने वाले किसी भी व्यक्ति को हुए किसी भी दुःख के लिए बिना शर्त माफ़ी मांगता हूं। जिन दो खिलाड़ियों को मैंने ट्वीट भेजे थे, वे मेरे दोस्त हैं और निश्चित रूप से मेरा इरादा उन्हें या उन्हें पढ़ने वाले किसी भी व्यक्ति को परेशान या अपमानित करने का नहीं था। यह मेरी समझ है कि उस समय कोई भी व्यक्ति नाराज़ नहीं था, लेकिन मैं इसे स्वीकार करता हूं कि भाषा महत्वपूर्ण है और यह कि मेरे द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द दूसरों को ठेस पहुंचा सकता है। ब्रूक्स ने कहा कि मैं किसी भी तरह के भेदभाव की निंदा करता हूं और मुझे कभी भी भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, चाहे इरादा और संदर्भ कुछ भी हो। किसी भी अपराध के लिए मैं तहे दिल से माफ़ी मांगता हूं। मिल्स ने हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड के लिए टी20 विश्व कप खेला था और उन्होंने अपने क्लब ससेक्स द्वारा जारी एक बयान में ब्रूक्स की माफ़ी का जवाब दिया, उन्होंने कहा कि ब्रूक्स ने उन्हें टिप्पणी करने के लिए मजबूर किया।

मिल्स ने कहा कि जैक और मैंने इसके बारे में बात की है और मुझे पता है कि उन्होंने अपनी भाषा का इस्तेमाल करने के लिए कितना पछतावा किया। मेरा मानना है कि यह सही है कि एक खेल के रूप में और एक समाज के रूप में, हमें एक-दूसरे से ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, उसके बारे में सोचने की ज़रूरत है और आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

दुनिया भर से दबाव के बावजूद लापता टैनिस स्टार पर चीन खामोश

ताइपे । चीन की एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी का कथित ईमेल चीनी मीडिया द्वारा ट्विटर पर डाले जाने के बाद दुनिया भर में खिलाड़ियों और अन्य ने उसकी कुशलक्षेम और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। अभी तक दुनिया भर से उठ रहे सवालों का जवाब नहीं मिला है। चीनी अधिकारियों ने सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। दो सप्ताह पहले ग्रैंडस्लैम युगल चैम्पियन फेंग शुआइ ने आरोप लगाया था कि एक पूर्व शीर्ष सरकारी अधिकारी ने उनका यौन शोषण किया है। चीन के इस पहले 'मी टू' मामले को घरेलू मीडिया में जगह नहीं मिली है और इस पर आनलाइन बहस भी सेंसर कर दी गई है। महिला टेनिस संघ के सीईओ और अध्यक्ष स्टीव साइमन ने उन्हें भेजे गई ईमेल की वैधता पर सवाल उठाये हैं। इसमें फेंग ने कहा है कि वह सुरक्षित है और उत्पीडन् के आरोप गलत हैं। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी की अंतरराष्ट्रीय ईकाई सीजीटीएन ने गुरूवार को यह ईमेल पोस्ट किया। साइमन ने कहा है कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह ईमेल शुआइ ने लिखा है और उन्होंने मामले की पूरी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि उचित जवाब नहीं मिलने पर चीन से टूर्नामेंटों की मेजबानी छीनी जा सकती है। नाओमी ओसाका और नोवाक जोकोविच ने भी इस मामले पर ट्वीट किया है। ऑनलाइन 'वेयर इज फेंग शुआइ' ट्रेंड कर रहा है।

यूनिवर्सिटी १ लाख छात्रों को फोन कर पूछ रही प्रवेश लिया या नहीं

जिन छात्रों ने प्रवेश नहीं लिया है उन्हें जिस कॉलेज में सीट खाली हैं उसकी जानकारी देकर प्रवेश के लिए कहा जा रहा है

सूरत।
इस बार मास प्रमोशन की वजह से बड़ी संख्या में छात्र पास हुए हैं। इससे ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की सीटें कम पड़ गई थीं। इसे देखते हुए वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी ने कॉलेजों की सीटें बढ़ा दी थीं, फिर भी बीकॉम सहित कई विभागों में सीटें खाली रह गईं, इसलिए यूनिवर्सिटी छात्रों को फोन करके एडमिशन के लिए प्रोत्साहित कर रही है। यूनिवर्सिटी ने १००००० छात्रों को फोन करने का अभियान शुरू किया है। छात्रों को फोन करके पूछा जा रहा है कि प्रवेश लिया है या नहीं। जिन छात्रों ने प्रवेश नहीं लिया है उन्हें जिस कॉलेज में सीट खाली हैं उसकी जानकारी देकर प्रवेश के लिए कहा जा रहा है। कई छात्रों ने जबाव दिया है कि शादी हो जाने के कारण वे पढ़ाई नहीं करेंगे। कई छात्रों ने यह भी कहा कि जितना पैसा पढ़ाई में खर्च करेंगे उतने में कारोबार शुरू कर लेंगे। यूनिवर्सिटी जिन १००००० छात्रों को फोन कर जानकारी मांग रही है, उनमें ऐसे छात्र भी शामिल हैं, जिन्होंने आवेदन तो किया है, लेकिन रजिस्ट्रेशन फीस जमा कराने के बाद आगे की प्रक्रिया नहीं की है।

कई ऐसे छात्र हैं जिन्होंने फीस भरने के बाद भी आगे की प्रक्रिया नहीं की है।यूनिवर्सिटी के प्रयास से कॉलेजों को फायदा हो रहा है। यूनिवर्सिटी को फोन पर छात्रों से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार कुछ छात्रों ने अभी तक फीस नहीं भरी है तो कुछ ने प्रवेश नहीं लिया है। ऐसे छात्रों को उनके नजदीकी कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए कहा जा रहा है। इससे कॉलेजों को फायदा हो रहा है। यूनिवर्सिटी के टेक्निकल विभाग के बृजेश वाघेला ने बताया कि छात्रों को प्रवेश दिलाने के लिए यह कोशिश की जा रही है। इससे यूनिवर्सिटी को यह पता चलेगा कि कितने छात्रों को प्रवेश मिला और कितने वंचित रह गए।

पैगंबर साहेब के नाम पर किताब लिखकर दुष्प्रचार करनेवाले वसीम रिजवी का विरोध किया

सूरत - नामुस रिसलात समिति सूरत ने वसीम रिजवी द्वारा लिखित एक किताब पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का विरोध किया है, जिन्होंने पैगंबर के नाम पर एक किताब लिखी थी और मुस्लिम धर्म के लोगों से दुश्मनी का सामना किया था।

देश में लंबे समय से सांप्रदायिक भाईचारे को तोड़ने की कोशिश की गई है और इसमें वसीम रिजवी नाम का एक इस्लामवादी मुस्लिम समुदाय के साथ कुरान शरीफ और मुसलमानों के शरीयत के खिलाफ लंबे समय से बोल रहा है। वर्तमान में साइकिक कहे जाने वाले वसीम रिजवी ने पैगंबर के नाम से एक किताब लिखी है।किताब पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग पूरे देश में उठी है।सूरत में नामुस रिसलात कमेटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वसीम रिजवी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की.वहीं दूसरी बार वसीम रिजवी ने मांग की कि वह किसी मौलवी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी न करें।तो वसीम रिजवी के साथ किताब छापने वाले प्रिंटिंग हाउस के मालिक यतिनारसिद्धानंद सरस्वतीगिरी पर भी अपराध दर्ज करने की मांग की.

ऐसे समय में जब पूरे देश में वसीम रिजवी के खिलाफ मुस्लिम समुदाय में आक्रोश है, ऐसे सांप्रदायिक दिमाग वाले और जहरीले ओकेनार के खिलाफ मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है

पाकिस्तान से चीन जा रहे ९ कंटेनर को जांच के लिए मुंद्रा बंदरगाह पर रोका

अहमदाबाद।
गुजरात कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह पर पाकिस्तान से चीन जा रहे ९ कंटेनर की जांच की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय को कंटेनर में रेडियोएक्टिव पदार्थ होने की आशंका है। गुजरात एवं देश के बड़े बंदरगाह मुंद्रा कोर्ट पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम कंटेनर की जांच कर रही है। यह कंटेनर पाकिस्तान से भारत होते हुए चाइना बंदरगाह तक भेजे जा रहे थे। इन कंटेनर में रेडियोएक्टिव पदार्थ होने कि प्रवर्तन निदेशालय को आशंका है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम मुंद्रा पोर्ट पहुंचकर इन कंटेनरों की जांच कर रही है। इसी मुंद्रा पोर्ट पर कुछ समय पहले २१००० करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त की गई थी। इसके अलावा २५००० करोड़ रुपये की हीरोइन मुंद्रा पोर्ट के जरिए भारत के विभिन्न शहरों में भेजे जाने की भी आशंका जताई गई थी। मादक पदार्थों की मुंद्रा पोर्ट से तस्करी को लेकर देशभर में काफी ऊहा पोह मची थी। अदाणी समूह ने कंटेनर की स्क्रीनिंग के लिए सरकार की ओर से पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात कही थी इसके अलावा अदाणी समूह ने पाकिस्तान अफगानिस्तान व ईरान से भारत आने वाले कंटेनर की हैंडलिंग करने से भी इनकार कर दिया था। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के चलते एक बार फिर मुंद्रा पोर्ट चर्चा में आ गया है। इस बार पाकिस्तान से चाइना भेजे जा रहे कंटेनरों में रेडियो एक्टिव पदार्थ होने की आशंका जताई जा रही है। रेडियोएक्टिव पदार्थ काफी घातक होता है तथा कई विध्वंसक प्रवृत्ति के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। रेडियोएक्टिव पदार्थों के रीसाव से मानव जीवन पर घातक असर पड़ता है। प्रवर्तन निदेशालय ने इस कार्रवाई को लेकर अभी तक कोई अधिकृत बयान जारी नहीं किया है।

BJP ने अमरीश की सीट खाली रखी है : पाटील

गांधीनगर।
अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा चुनावी मोड में आ गई है। राजुला के कांग्रेस विधायक अमरीश डेर को भाजपा में शामिल होने का न्योता खुद गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने दिया है। अहीर समाज के एक समारोह में मौजूद पाटिल ने डेर को आमंत्रित करते हुए कि हमने भाजपा में डेर के लिए वही किया है, जैसे बस में यात्रा करते समय किसी के लिए रूमाल रखकर सीट को रोककर रखा जाता है। राजुला के बाबरिया धार में अहीर समाज की १४वीं समूह शादी में पाटिल ने कहा कि बीजेपी के कई युवा अमरीश डेर के अच्छे दोस्त हैं। डेर से आत्मीयता जाहिर करते हुए पाटिल ने कहा कि एक दिन मुझे डेर को डांटना पड़ेगा यह मेरा हक है। गौरतलब है कि अमरीश डेर कांग्रेस छोड़ सकते हैं ऐसी चर्चा लंबे समय से चल रही है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने भी राजुला में रेलवे की जमीन को लेकर उनके आंदोलन के दौरान उनसे बात की थी, लेकिन अभी तक डेर ने अपने फैसले को आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं किया है। पाटिल ने जबसे डेर को पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है तभी से अगले चुनावों में उनकी भूमिका को लेकर बहस तेज हो गई है। गौरतलब है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल १४ जून को अहमदाबाद के एक दिवसीय दौरे पर आए थे। इसी बीच अमरीश डेर और अरविंद केजरीवाल के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। अरविंद केजरीवाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोगों की आवाज उठाने को लेकर अमरीश डेर को आम आदमी पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि अमरीश डेरा ने केजरीवाल के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। केजरीवाल के फोन कॉल के बारे में अमरीश डेर ने कहा था कि "केजरीवाल ने मेरे आंदोलन के बारे में बात की।" आप में शामिल होने की कोई बात नहीं हुई है। इसके साथ ही साथ अमरीश डेर ने आप में शामिल होने के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया था।

|| भावपूर्ण श्रध्दांजली ||

स्वर्गीय श्री रतनदेवी कैलाश सेन
मृत्यु तिथि:- 13/11/2021
मानव हित परिवार
भगवान् इनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे

किसान बिल वापिस लेने के फैसले के बाद शहरों में भी किसानों के प्रति प्रेम दिखा एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशी मनाई

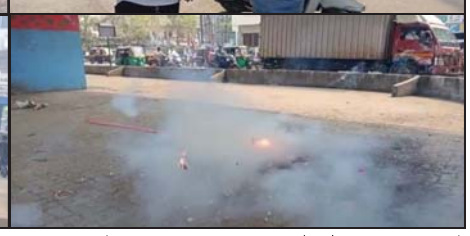

सूरत भूमि सूरत - लंबी लड़ाई के बाद तीनों कृषि कानून वापसी की घोषणा से देश के किसानों में भी खुशी का माहौल है। किसान संगठनों के पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को फूल मालाएं पहनाकर और मिठाइयां खिलाकर जीत की बधाई दी। वहीं, कई जगह आतिशबाजी की गई। सामाजिक कार्यकर्ता सुनील भाई ने कहा कि कृषि कानून वापसी किसानों की ऐतिहासिक जीत है। हालांकि, अब भी प्रधानमंत्री इस आंदोलन में शहीद हुए 700 किसानों की मौत की जिम्मेदारी से नहीं भाग सकते हैं। सरकार को ये फैसला महीनों पहले लेना चाहिए था। पांडेसरा की पीयूष पॉइंट पर सामाजिक कार्यकर्ता सुनील भाई ने मिठाई बांटकर एक-दूसरे को तीनों कृषि कानूनों के रद्द होने की बधाई दी।

डी बीयर्स ने प्रतिबद्धता और उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए अपने नए ग्लोबल कैंपेन की घोषणा की

सूरत: डी बीयर्स ने खुद के लिए, एक-दूसरे के लिए और पूरी दुनिया के लिए प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए एक नए ग्लोबल कैंपेन की घोषणा की है। यह कैंपेन, सही मायने में कंपनी के 133 साल के लंबे इतिहास में एकदम नई और उद्देश्य पर आधारित ब्रांड रणनीति तथा नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

'आई डू', यानी च्मैं वादा करता हूँज् किसी व्यक्ति के इरादे को दर्शाने वाली सबसे अहम अभिव्यक्तियों में से एक है, जो समय की हर कसौटी पर खरी उतरती है। दिल की भावनाओं से जुड़ा और जीवन को तुरंत एक नई दिशा देने वाला यह कथन दो व्यक्तियों के बीच साथ मिलकर अपने भविष्य को संवारने के लिए किया गया वादा है, जो हमेशा कायम रहता है। डी बीयर्स के इस नए कैंपेन में इसी तरह के प्रभावशाली वादों की अहमियत पर बल दिया गया है, और इन दो खास शब्दों को नए विचार-क्षेत्र की ओर ले जाता है, तथा इन शब्दों को व्यक्तिगत स्तर पर किए गए सभी प्रकार के वादों से जोड़कर उनके अर्थ का विस्तार करता है- जिसमें प्यार, दोस्ती, परिवार, समाज, प्रकृति और बहुत कुछ शामिल है।

डी बीयर्स ग्रुप के सीईओ, श्री ब्रूस क्लीवर, कहते हैं: 'एक सदी से भी अधिक समय से, डी बीयर्स ने लोगों को अपने साथी के प्रति हमेशा कायम रहने वाले अपने वादे को ज़ाहिर करने में मदद करने में सबसे अहम भूमिका निभाई है। आज की नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं के लिए इस वादे का दायरा और भी विस्तृत हो गया है- और वे व्यक्तिगत विकास के लिए खुद से किए गए वादे के साथ-साथ, अपनी दोस्ती, अपने परिवारों, समाज तथा प्रकृति एवं पूरी दुनिया के लिए अपनी प्रतिबद्धता ज़ाहिर करते हैं। आज 'आई डू' यानी 'मैं वादा करता हूँ' का अर्थ काफी विस्तृत हो गया है और यह पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक भी है – साथ ही हीरे का प्रयोजन भी पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गया है। 'वन डी बीयर्स' हमारा नया विज़न है जिसमें हमारे ब्रांड के उद्देश्य की मूल भावना समाहित है और उपभोक्ताओं को एक नए नजरिए के साथ इससे जुड़ने में सक्षम बनाता है। इस नए विज़न के साथ, हमें हीरे के भविष्य को आकार देने का एक रोमांचक अवसर दिखाई दे रहा है। अपने आईकॉनिक ब्रांड नाम के लिए मार्केटिंग में निवेश करने के साथ, हम उपभोक्ताओं के लिए डी बीयर्स के डायमंड्स की अहमियत का विस्तार करते हुए उसे दिल की भावनाओं से जोड़ेंगे, दुनिया में उनके सकारात्मक प्रभाव और हमारे ज्वैलरी हाउस के लिए चुने गए इन डायमंड्स की बेमिसाल खूबसूरती को उजागर करेंगे।'

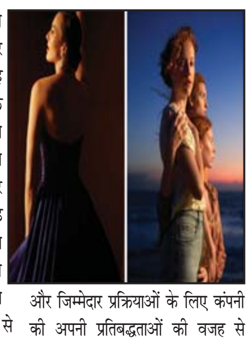

कैंपेन के तहत, इन वादों के प्रतीक के रूप में ब्रांड ने अपने दो प्रतिष्ठानों, डी बीयर्स ज्वैलर्स और डी बीयर्स फॉरएवरमार्क के डायमंड ज्वैलरी की एक बड़ी रेंज पेश की गई है - जो स्थायित्व और जिम्मेदार प्रक्रियाओं के लिए कंपनी की अपनी प्रतिबद्धताओं की वजह से विशेष अहमियत रखता है। आज के दौर में उपभोक्ताओं और ब्रांडों, दोनों की नैतिकता और मूल्य सर्वोपरि हैं, और ऐसे में 'आई डू' का मतलब कार्रवाई के साथ-साथ उद्देश्य भी है। डी बीयर्स डायमंड्स पहनकर, ग्राहक इनका उपयोग बेहतर एवं उज्जवल भविष्य के लिए सच्ची लगन के साथ व्यक्तिगत तौर पर और साथ मिलकर यह जाने वाले कार्यों के प्रतीक के रूप में कर सकते हैं।

मोबाईल लाइफस्टाइल एक्सेसरीज के 6 नए प्रोडक्ट्स रेंज के साथ मोबिला इंडस्ट्री लीडर बनने की दिशा में अग्रसर

सूरत / मुंबई : पिछले 10 वर्षों से बेहतरीन क्वालिटी की मोबाईल बैटरी से मार्केट में अपनी पहचान बनाने वाली अग्रणी ब्रांड मोबिला ने आज देश के चुनिंदा शहरों में जिनमें सूरत शामिल है, उसमे छ: नए मोबाइल लाइफ स्टाइल एक्सेसरीज़ बाज़ार में उतारने की घोषणा की है. इन छ: नए प्रोडक्ट्स के साथ मोबिला की रेंज में अब तक 500 से ज्यादा प्रोडक्ट्स हो गए हैं.

आज जब तकनीक एक रोज़मर्रा की जरूरत के रूप में घरङ्घर में इस्तेमाल हो रही है, डिजिटल जीवन अब एक हकीकत बन गया है; मोबिला की यह नवीनतम मोबाइल और साउंड एक्सेसरीज़ उत्पादों की श्रृंखला लोगों की गैजेट्स के साथ दोस्ती को फिर से परिभाषित करेगी। ये उत्पाद निश्चित रूप से सभी आयु वर्ग के लोगों की बाहरी दुनिया से जुड़े रहने की जरूरतों को पूरा करेंगे.

इस मौके पर मोबिला के को-फाउंडर जिग्नेश शाह ने कहा, च्हम एक ऐसे बदलाव की कगार पर हैं जिसमें टेक्नोलॉजी लक्ज़री के बजाये लोगों की रोजाना की जरूरत बन गई है। स्कूल में ऑनलाइन पढ़ाई हो, घर से काम करना हो, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मनोरंजन ढूँढना हो हमारा अस्तित्व अब डिजिटल संसाधनों पर निर्भर करता है। हमने इस समय में अपने ग्राहकों को उनकी हर पल की जरूरत को पूरा करने के लिए आरामदायक, टिकाऊ, लंबे समय तक चलने वाले छ: नए मोबाइल लाइफस्टाइल उत्पादों को बाज़ार में लाने का फैसला किया है।

मोबाइल और साउंड एक्सेसरीज़ रेंज लोगों की व्यक्तिगत के साथ- साथ व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी साबित होगी. उत्पादों की यह उच्च - गुणवत्ता वाली किफायती श्रृंखला कम से कम 180 से 365 दिन की गारंटी के साथ आती है।

मोबिला के को - फाउंडर श्री हेतल शाह ने कहा - "हम परंपरागत रूप से एक मोबाइल एक्सेसरीज निर्माता के रूप में जाने जाते हैं और हमारी बैटरी अच्छी क्वालिटी की हैं और लम्बे समय तक चलती हैं। अब हमने नई जीवन शैली की श्रृंखला जैसे स्मार्टवॉच - MSmart 7.0, TWS ईयरबड्स - MBuds 101, नेकबैंड - MBuddy 101, पार्टी स्पीकर - Clubber 102, Clubber 103, पोर्टेबल स्पीकर - MRock 102, MRock 103, हेड[illegible]न - MJoy 101, डाटा केबल - Linker 101 जैसी कई और श्रृंखला लॉन्च करने का फैसला किया। हमारे 80% उत्पादों को भारत में बनाए जाने के साथ, हमें विश्वास है कि स्थानीय स्तर पर हम विश्व स्तरीय उत्पादों का निर्माण कर सकते हैं।

एक मजबूत सेल्स, सर्विस, मार्केटिंग टीम और चैनल पार्टनर्स के बड़े नेटवर्क के साथ, ब्रांड मोबिला नए बाजारों में प्रवेश करने और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)